www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-47 ❖ मुंबई ❖ रविवार 15 से 21 नवंबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

पेज 3
मुंबई के शिवाजी पार्क का नाम बदला, अब 'छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान' होगा नया नाम

पेज 5
गूगल बंद कर सकता है आपका जीमेल अकाउंट? इसे रोकने के लिए जानें क्या करना होगा आपको

पेज 7
अक्षय कुमार ने दिवाली पर फिल्म राम सेतु का किया ऐलान, सामने आया एक्टर का दमदार फर्स्ट लुक

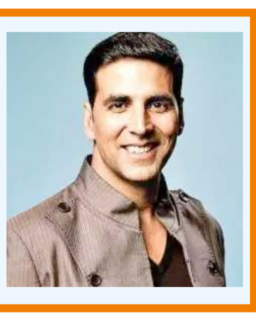

पेज 8
उमा भारती ने उगला सच.... 'नीतीश की सीढ़ी पर चढ़कर बिहार में बड़ी हुई भाजपा'

उद्धव का ऐलान- महाराष्ट्र में खुलेंगे सभी धर्मस्थल, स्कूल खोलने पर भी जल्द होगा विचार

मुंबई, महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने शनिवार को ऐलान किया है कि प्रदेश में सोमवार से सभी धार्मिक स्थलों को खोला जाएगा। पूर्व में तमाम राजनीतिक विरोध के बावजूद धर्मस्थलों को ना खोलने वाली उद्धव सरकार ने अब सभी धार्मिक स्थलों को खोलने की इजाजत दे दी है। इसके अलावा सरकार ने यह भी कहा है कि वह राज्य में स्कूलों को खोलने पर विचार कर रही है। उद्धव ने कहा, 'हम सभी एहतियाती कदम उठाते हुए दिवाली बाद स्कूल फिर से खोलने पर विचार कर रहे हैं। धार्मिक स्थलों को भी खोलने की मंजूरी दी जाएगी। सोमवार से सभी धर्मस्थल खोले जा रहे हैं।' प्रदूषण और कोरोना के रिश्ते पर बोलते हुए उद्धव ने कहा, 'प्रदूषण से कोरोना का असर बढ़ सकता हे। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे पटाखे और अतिशबाजी चलाने की जगह मिट्टी के दीये जलाएं। दिवाली के बाद 15 दिन अहम होंगे, हमें सावधान रहना होगा ताकि फिर से लॉकडाउन लगाने की नौबत न आए।'

डॉक्टर्स, नर्सेज, पैरामेडिक्स स्टाफ और आशा वर्कर्स के अलावा एमबीबीएस डॉक्टर्स भी इस ग्रुप का हिस्सा होंगे। इन्हें सबसे पहले कोविड का टीका लगेगा।

प्रॉयरिटी लिस्ट में दूसरा ग्रुप उन लोगों का है जो महामारी के दौरान भी व्यवस्था संभाल रहे हैं। इनमें नगर निकायों के कर्मचारियों के अलावा पुलिस और सशस्त्र बल शामिल हैं।

प्रॉयरिटी लिस्ट में एक करोड़ लोग ऐसे भी होंगे जिनकी उम्र तो 50 साल से कम होगी मगर उन्हें कोई और बीमारी होगी। कोरोना मामलों में देखा गया है कि अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों को जान का खतरा ज्यादा होता है। ऐसे में उन्हें पहले वैक्सीन देकर महामारी से बचाने की कोशिश होगी।

सरकार सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के साथ-साथ कोरोना टीकाकरण अभियान चलाएगी। कोरोना वैक्सीन के लिए eVIN प्लेटफॉर्म का भी यूज होगा। केंद्र ने राज्य सरकारों ने उन इमारतों की लिस्ट तैयार करने को कहा है जहां टीकाकरण केंद्र बनाए जा सकते हैं। इनमें सिर्फ हेल्थकेयर फैसिलिटीज ही शामिल नहीं होंगी। स्कूलों, पंचायती इमारतों और आंगनबाड़ी केंद्र की बिल्डिंग का इस्तेमाल की कोविड टीकाकरण के लिए हो सकता है।

ऐसे एक बीमार कर सकता है 400 को कोरोना'

कोरोना को लेकर पूरी सावधानी बरतने पर जोर देते हुए उद्धव ने कहा, 'भीड़ में बिना मास्क के घूमने वाला कोविड-19 का मरीज करीब 400 लोगों को संक्रमित कर सकता है।' इससे पहले एक वेबिनार बैठक में मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा था कि वैश्विक स्थिति को देखते हुए कोरोना की एक और लहर की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। दिवाली के बाद अगले कुछ दिन तक और सतर्क रहने की आवश्यकता है। जिन स्कूलों में आइसोलेशन केंद्र स्थापित किए गए थे, उन्हें बंद नहीं किया जा सकता है। स्थानीय प्रशासन को यह तय करना चाहिए कि क्या ऐसी जगहों के स्कूलों को वैकल्पिक स्थानों पर शुरू किया जा सकता है। स्कूलों की स्वच्छता, शिक्षकों के कोरोना निरीक्षण जैसे सभी बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

अभिभावकों को नसीहत

मुख्यमंत्री ठाकरे ने छात्रों के माता-पिता से अपील की है कि अगर उनके बच्चे की तबीयत खराब है या फिर परिवार में किसी सदस्य की तबीयत खराब है, तो वे अपने बच्चों को स्कूल में नहीं भेजें।

इस अवसर पर स्कूली शिक्षा मंत्री गायकवाड ने कहा कि स्कूल शुरू होने से पहले सभी शिक्षकों की आरटीपीसीआर की जांच 17 से 22 नवंबर के दरम्यान स्थानीय प्रशासन के माध्यम से की जाएगी। इसके अलावा, विद्यार्थियों की थर्मल चेकिंग की जाएगी। एक बेंच पर एक छात्र को बैठाया जाएगा। राज्य मंत्री बच्चु कडू ने कहा कि स्कूल चरणबद्ध तरीके से शुरू किए जाएंगे।

केंद्र की कारस्तानी... फिर किया महाराष्ट्र से घात!...मदद के नाम पर मजाक

केंद्र सरकार हमेशा महाराष्ट्र से सौतेला व्यवहार करती रही है। एक बार फिर केंद्र ने महाराष्ट्र से घात किया है। प्राकृतिक चक्रवात तूफान से हुए नुकसान को लेकर केंद्र ने मदद के नाम पर मजाक किया है। नुकसान भरपाई के लिए केंद्र ने महाराष्ट्र को सिर्फ २६८.५९ करोड़ रुपए की मामूली मदद की है, जबकि अन्य राज्यों के लिए केंद्र ने पूरी तिजोरी खोल दी है। पश्चिम बंगाल में होनेवाले आगामी चुनाव को देखते हुए केंद्र ने वहां खुलकर मदद की है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व वाली समिति ने प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान से संवारने के लिए विभिन्न राज्यों को ४३८१.८८ करोड़ रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा की है। पश्चिम बंगाल, ओड़िसा, महाराष्ट्र इन राज्यों में जहां अंफान चक्रवात से नुकसान हुआ, वहीं कर्नाटक और मध्य प्रदेश राज्यों को बाढ़ का सामना करना पड़ा था। सिक्कीम में भूस्खलन से बड़ा नुकसान हुआ है। इसके लिए गृहमंत्रालय द्वारा नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फंड के तहत आर्थिक मदद मंजूर की गई है। चक्रवात तूफान के चलते कोकण में बड़ा नुकसान हुआ था। इस नुकसान की मदद के लिए केंद्र सरकार से बड़ी आर्थिक मदद की अपेक्षा की गई थी। महाराष्ट्र सरकार ने चक्रवात की नुकसान-भरपाई के लिए १ हजार ६५ करोड़ रुपए की मांग केंद्र से की थी। लेकिन केंद्र सरकार ने सिर्फ २६८.५९ करोड़ रुपए की मदद घोषित की है। पश्चिम बंगाल को सबसे अधिक मदद अंफान चक्रवात का सामना करनेवाले पश्चिम बंगाल को सबसे अधिक २७०७.७७ करोड़ रुपए की मदद की गई है।

राहुल गांधी पर ओबामा की टिप्पणी

ओबामा को भारत की राजनीति पर बोलने का अधिकार नहीं, जैसे हम नहीं कह सकते- ट्रम्प पागल है - संजय राउत

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने मेमोयर (संस्मरण) में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कमजोर बताया है। इस पर शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा है कि किसी भी विदेशी को भारत के राजनेताओं के बारे में ऐसी राय देने का अधिकार नहीं है।

ओबामा को इस प्रकार की टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। वे भारत के बारे में कितना जानते हैं? जैसे हम नहीं कह सकते कि ट्रम्प पागल है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने मेमोयर (संस्मरण) में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र किया है। ओबामा ने राहुल को नर्वस बताते हुए लिखा, "राहुल उस स्टूडेंट की तरह हैं, जो टीचर को इम्प्रेस करने के लिए तो उत्सुक (ईगर) हैं, लेकिन सब्जेक्ट के मास्टर होने के मामले में योग्यता या जुनून की कमी है। यह राहुल की कमजोरी है।"

ओबामा जब सत्ता में थे, तब राहुल गांधी कांग्रेस के उपाध्यक्ष थे। ओबामा आखिरी बार दिसंबर 2017 में भारत आए थे, तब राहुल उनसे मिले थे। राहुल ने ट्वीट कर कहा था कि ओबामा से मुलाकात शानदार रही।

'मनमोहन सिंह शांत और ईमानदार'

मनमोहन सिंह के कार्यकाल वाली UPA सरकार के समय नवंबर 2009 में ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल भारत दौरे पर आए थे, तब मनमोहन सिंह और उनकी पत्नी गुरुशरण कौर ने ओबामा परिवार के लिए डिनर भी रखा था। बराक ओबामा अमेरिका के पहले अफ्रीकी-अमेरिकी राष्ट्रपति थे। ओबामा ने मनमोहन सिंह को शांत और ईमानदार बताया है।

रेल यात्रियों को दीपावली की सौगात.... शिवसेना सांसद राजन विचार ने मीरा रोड में किया स्वचलित सीढ़ियों का ई-लोकार्पण

मीरा रोड के रेल प्रवासियों को दीपावली के शुभ अवसर पर दो स्वचलित सीढ़ियों की सौगात मिली है। शुक्रवार शाम को शिवसेना सांसद राजन विचारे ने इसका ई-लोकार्पण किया। विचारे मीरा-भायंदर शहर के रेल प्रवासियों की सुविधा के लिए सदैव तत्पर व प्रयत्नशील रहते हैं। उन्होंने समय-समय पर मीरा रोड व भायंदर रेलवे स्टेशन पर नए पादचारी पुल, लिफ्ट की व्यवस्था, टिकट खिडकी, स्वचलित सीढियां, पानी की प्याऊ, बैठने की सीट आदि की व्यवस्था उपलब्ध करवाई है। वरिष्ठ नागरिकों तथा दिव्यांगों की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशनों पर अधिक से अधिक स्वचलित सीढियां व लिफ्ट लगाए जाने की मांग विचारे सतत पश्चिम रेलवे के महाव्यवस्थापक से करते रहे हैं।

शुक्रवार को मीरारोड स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर २-३ तथा ४ पर दो स्वचलित सीढ़ियों का ई-लोकार्पण विचारे ने किया। इस अवसर पर शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक व विधायक गीता जैन, जिलाप्रमुख प्रभाकर म्हात्रे, उपजिलाप्रमुख शंकर विरकर, महिला जिलासंगठक स्नेहल सावंत, शहरप्रमुख लक्ष्मण जंगम, विरोधी पक्ष नेता प्रवीण पाटील, कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रमोद सावंत, नगरसेविका तारा घरत, हर्षदा कदम, नगरसेवक राजू भोईर, विक्रम प्रताप सिंह, कमलेश भोईर, राजू मेहरा, अशरफ शेख, अश्विन कसोदिया, अनंत शिर्के आदि मीरा रोड रेलवे स्टेशन पर उपस्थित थे।

मुंबई शहर महिलाओं के लिए सुरक्षित है!'... -तापसी पन्नू

सभी जानते हैं कि मेरा जन्म, परवरिश, पढ़ाई और लिखाई सब दिल्ली में हुई, लेकिन मेरे करियर और जीवन के लिए मुंबई टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। पॉकेटमनी के लिए विज्ञापन फिल्मों में काम करने से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। मैंने कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढाई की और मुझे नौकरी तक कैंपस सिलेक्शन में मिल गई लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। साऊथ की फिल्में करने की वजह से हैदराबाद मेरा घर बन गया था। लेकिन जब मुझे हिंदी फिल्मों में काम करने का मौका मिला तब से मुंबई मेरा घर बन चुका है। मुंबई की सबसे बड़ी समस्या, जो मुझे महसूस हुई वो है यहां पर घर ढूंढना। मुंबई में जब मुझे रहना था तो जाहिर-सी बात है यहां फ्लैट लेना था। मैं और मेरी बहन शगुन तकरीबन ६ महीनों तक रेंट पर फ्लैट ढूंढ रहे थे। कहीं का किराया बहुत ज्यादा था तो कुछ फ्लैट्स मुझे बहुत छोटे लगे। दिल्ली के मकान बहुत बड़े होते हैं और मुझे उन बड़े घरों की आदत थी।

खैर, काफी कोशिशों के बाद मैंने और शगुन ने फ्लैट ले लिया। हाल फिलहाल में हमने अपना खुद का फ्लैट खरीद लिया है, जहां पाठ (गुरु ग्रंथ पाठ) के बाद हम रहने जाएंगे। मुंबई ने मुझे कब अपना बना लिया मुझे पता ही नहीं चला। इस शहर की सबसे बड़ी दो खासियतें हैं कि यहां कोई भूखा सोता नहीं होगा। ये शहर सभी के लिए रोटी का इंतजाम कर ही देता है। सबसे अहम बात ये है कि ये शहर कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित है। बॉलीवुड का दूसरा नाम मुंबई है, यह कहना गलत नहीं होगा। दुनियाभर के लोग जानते और मानते हैं कि बॉलीवुड बोले तो मुंबई। यही इसकी एक मजबूत पहचान है, जो कायम रहेगी। मुंबईवासी होने पर मैं अब गर्व महसूस करती हूं।

नेशनलाईज बैंक और सुरत के अग्रेणी बिल्डर की मिली भगत ?

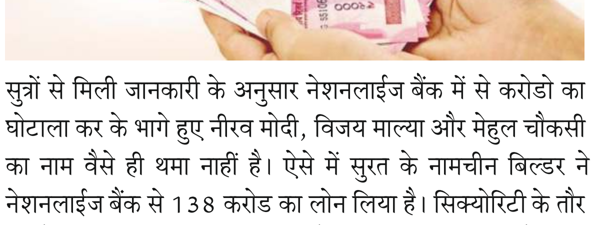

सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नेशनलाईज बैंक में से करोडो का घोटाला कर के भागे हुए नीरव मोदी, विजय माल्या और मेहुल चौकसी का नाम वैसे ही थमा नाहीं है। ऐसे में सुरत के नामचीन बिल्डर ने नेशनलाईज बैंक से 138 करोड का लोन लिया है। सिक्योरिटी के तौर पर बैंक में रखे प्रोपर्टी के दस्तावेज बैंक में होने के बावजुद बैंक को बताए बिना प्रोपर्टी का सौदा कई लोगो से किया गया और बैंक में पैसा भी नहीं जमा किया। क्या इसमें बैंक के कर्मचारी की मिलीभगत हो सकती है? क्या इसपर कोई अंकुस नहीं लगाया जा सकता ? ऐसे बैंक अधिकारी और बिल्डर पर उच्च स्तर पर कार्यवाही होनी चाहिये इसमें आम जनता का कया होगा? यही सब सवाल जानने के लिए मुंबई तरंग की टीम उस बिल्डर के पास कार्यवाही करेगी इसका विवरण अगले अंक में पढे।

अश्लील फिल्मों के टीजर्स से हाई कोर्ट को आपत्ति... तमिलनाडु सरकार और केंद्र को जारी किया नोटिस

अश्लील फिल्मों के टीजर्स पर कल मद्रास हाईकोर्ट ने आपत्ति जताई है। अपनी आपत्ति में हाई कोर्ट ने कहा कि अश्लीलतावाले फिल्म के टीजर्स से युवा बिगड़ते हैं और महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ते हैं। इस आपत्ति के साथ ही मद्रास हाई कोर्ट ने केंद्र और तमिलनाडु सरकार को सोशल मीडिया से फिल्म 'एरंडम कुथ्थू' के टीजर को हटाने का निर्देश दिया है। इस संबंध में तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार को नोटिस भी कोर्ट ने जारी किया है। बता दें कि मद्रास हाई कोर्ट की मदुराई बेंच ने बुधवार को फिल्म 'एरंडम कुथ्थू' के टीजर को सोशल मीडिया से हटाने की मांग करनेवाली याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान जस्टिस बी पुगलेंधी और एन किरुबाकरन की बेंच ने फिल्म के टीजर के संवादों को पढ़ने के बाद सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, १९५२ के तहत इसका अवलोकन किया। हाई कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि हम इस तथ्य को नहीं भूल सकते हैं कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है।

एक और राहत

अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयासों के तहत सरकार ने उद्योग जगत को दो लाख करोड़ रुपए का एक और पैकेज देने का जो एलान किया है, वह निश्चित रूप से राहत देने वाला कदम साबित हो सकता है। इस बार यह पैकेज आ◌ॅटोमोबाइल क्षेत्र, दूरसंचार, दवा, इलैक्ट्रॉनिक उपकरण, उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों के लिए होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश की अर्थव्यवस्था इस वक्त गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है और खासतौर से छोटे उद्योगों की मुश्किलें कहीं ज्यादा बड़ी हैं। अभी समस्या मांग, उत्पादन, निर्यात जैसे मोर्चों पर ज्यादा विकट है। जाहिर है, अर्थव्यवस्था को खड़ा तभी किया जा सकता जब मांग और उत्पादन का चक्र तेजी से चल निकले, और इसके लिए जरूरी है कि छोटे से लेकर बड़े सभी उद्योगों के पहिए तेजी से घूमें। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान इस वक्त करीब सोलह फीसद है। देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जरूरी है कि यह भागीदारी और बढ़े और बिना सरकारी मदद के यह संभव नहीं है।

सरकार ने पहला राहत पैकेज इस साल मई में जारी किया था। हालांकि पिछले साल कारपोरेट करों में भारी कटौती करते हुए उद्योग जगत को बड़ी राहत दी गई थी। लेकिन इस बार मई में बीस लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का जो प्रोत्साहन पैकेज दिया गया, वह कोरोना की मार से ढही अर्थव्यवस्था को खड़ा करने के लिए था। पांच किस्तों में जारी किए गए इस पैकेज में तीन लाख सत्तर हजार करोड़ रुपए छोटे और मझौले उद्योगों के लिए, पचहत्तर हजार करोड़ गैरबैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए, नब्बे हजार करोड़ रुपए बिजली वितरण कंपनियों के लिए और पंद्रह हजार करोड़ रुपए प्रवासी मजदूरों को मुफ्त अनाज और मनरेगा आदि के लिए भी थे। इसके अलावा नगदी बढ़ाने के उपायों के तौर पर भारतीय रिजर्व बैंक ने भी आठ लाख करोड़ रुपए का बंदोबस्त किया था। वह भी बीस लाख करोड़ रुपए के पैकेज का हिस्सा था। अब सरकार ने दो लाख करोड़ रुपए और देकर उद्योगों को राहत देने की बात कही है। इस पैकेज के पीछे मकसद यही है कि औद्योगिक गतिविधियां रफ्तार पकड़ें और मांग, उत्पादन व खपत का चक्र बने, तभी निवेश आने का रास्ता भी बनेगा। अभी तक जितने प्रोत्साहन पैकेज आए हैं, उनके कोई खास नतीजे देखने को नहीं मिले हैं। छोटे और मझौले उद्योगों के लिए तीन लाख सत्तर हजार करोड़ का पैकेज उद्योगों को फिर से चला पाने में कारगर साबित नहीं हुआ। एमएसएमई के आकार और संकट को देखते हुए यह कोई बहुत बड़ी रकम तो नहीं कही जा सकती। हालांकि अब सरकार भी इस बात को मान रही है कि अभी तक के प्रोत्साहन पैकेजों का असर उम्मीदों के मुताबिक नहीं दिखा है। उद्योगों के लिए राहत देने के लिए प्रोत्साहन पैकेज जितने जरूरी हैं, उतना ही जरूरी उसे कारगर तरीके से लागू करना भी है। हाल में अर्थशास्त्री और रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर विमल जालान ने भी इस बात पर जोर दिया है कि नए पैकेजों से ज्यादा महत्त्वपूर्ण पुराने पैकेजों को सही ढंग से लागू करना है। सबसे पहली जरूरत है रोजगार के मौके पैदा करने की, ताकि लोगों को काम-धंधा मिले और उनके हाथ में पैसा आए। इस वक्त हालत यह है कि करोड़ों नौजवान बेरोजगार हैं, पूर्णबंदी के दौरान लाखों लोगों की नौकरियां छिन गईं। जब पास में पैसा ही नहीं होगा तो लोग खर्च कहां से करेंगे। पैकेजों की उपयोगिता और सार्थकता तो तभी है जब सभी को इनका लाभ मिलने लगे।

नजर और निगरानी

संजय शर्मा

अब केंद्र ने इंटरनेट के जरिए परोसी जा रही फिल्मों, समाचार सामग्री आदि को भी सूचना प्रसारण मंत्रालय की निगरानी में रखने का फैसला किया है। अभी तक बड़े परदे और टेलीविजन पर दिखाई जाने वाली सामग्री ही इसकी निगरानी में थी। अब नेटफ्लिक्स, अमेजन, यू-ट्यूब आदि पर प्रसारित होने वाली सामग्री पर भी इसकी नजर होगी। जब सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ टीवी चैनलों पर प्रसारित होने वाली आपत्तिजनक सामग्री पर नजर रखने संबंधी उपायों के बारे में केंद्र से पूछा था, तब उसने कहा था कि टेलीविजन चैनलों से समाज को उतना खतरा नहीं है, जितना इंटरनेट माध्यमों पर प्रसारित सामग्री से है। मगर तब न्यायालय ने कहा था कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर परोसी जाने वाली सामग्री का मूल्यांकन खुद उपभोक्ता कर देते हैं, फिर लोगों को यह आजादी मिलनी ही चाहिए कि वे क्या देखना-पढ़ना-सुनना चाहते हैं। मगर चूंकि इंटरनेट के जरिए परोसी जाने वाली सामग्री अभी तक किसी नियामक संस्था की नजर से दूर है और एक तरह से सभी के लिए मुक्त है, इसलिए कई चीजें ऐसी भी उन पर लिखी, दिखाई जाती रही है, जिससे सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा होती रही है। ऐसे में कई लोगों का स्वाभाविक ही मानना है कि सरकार इन माध्यमों पर भी अपना अंकुश लगाना चाहती है। यह ठीक है कि मुक्त इंटरनेट माध्यमों पर दिखाई जाने वाली सारी सामग्री दोषमुक्त नहीं है। कई लोगों का मानना है कि इंटरनेट पर उपलब्ध कई चीजों से युवाओं पर बुरा असर पड़ रहा है। अश्लीलता और भोंडेपन का आरोप लगाते हुए कई कार्यक्रमों पर रोक लगाने की जरूरत भी रेखांकित की जाती रही है। मगर सच्चाई यह है कि सिनेमा और टीवी कार्यक्रमों पर अनावश्यक कैंची चलाने की प्रवृत्ति से आजिज आकर ही अनेक फिल्म निर्माता-निर्देशकों ने ओटीटी यानी ओवर द टॉप माध्यमों पर अपनी फिल्मों, धारावाहिकों का प्रसारण करना उचित समझा। समाचारों चैनलों पर सहज आजादी महसूस न कर पाने की वजह से कई पत्रकारों ने स्वतंत्र रूप से इंटरनेट माध्यमों पर वैचारिक सामग्री परोसनी शुरू कर दी। अगर सूचना प्रसारण मंत्रालय यहां भी उसी तरह नजर रखना शुरू कर देगा, जैसे फिल्म प्रमाणन बोर्ड जैसे तंत्र करते हैं, तो फिर कलाओं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधा पहुंचने की आशंका निर्मूल नहीं कही जा सकती। गलत चीजों को रोकने के लिए अच्छी नीयत के साथ काम हो, तो भला किसे आपत्ति हो सकती है। मगर मंशा साफ न हो तो अच्छी चीजें भी प्रभावित होती ही हैं। फिल्म, कलाएं और वैचारिक संवाद चूंकि अभिव्यक्ति के माध्यम हैं और उनमें निर्माता, निर्देशक, कलाकार, लेखक, विचारक प्रयोग करते रहते हैं और उसके लिए वे खुद उत्तरदायी होते हैं। इन अभिव्यक्तियों का मूल्यांकन उपभोक्ता की नजर करती है। इसलिए एक बड़े वर्ग का उचित तर्क होता है कि इन माध्यमों पर निगरानी रखने के बजाय इन्हें लोगों की नजर पर छोड़ देना चाहिए। फिर चूंकि इंटरनेट माध्यम किसी एक देश और सीमा से बंधे नहीं होते, इसलिए उन पर समुचित निगरानी रख पाना सरकार के लिए चुनौती भरा काम होगा। बहुत सारी चीजों को समाज खुद नियंत्रित करता रहता है, इसलिए इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री भी उससे दूर नहीं मानी जा सकती। फिर अदालतों में किसी आपत्तिजनक अभिव्यक्ति को चुनौती देने का रास्ता है ही। इसलिए अगर सूचना मंत्रालय साफ मन से इन माध्यमों पर निगरानी रखे तो कोई आपत्ति नहीं, पर इस अधिकार के दुरुपयोग से कैसे बचा जाए, इसका भी उपाय होना चाहिए।

जिगर डी वाढेर

लक्ष्मी तो सभी को चाहिए पर लक्ष्मी को कौन चाहिए?

कहा जाता है कि पहली बार दिवाली का त्यौहार भगवान 'श्री' राम के चौदह वर्ष के वनवास के बाद उनके घर वापसी पर अयोध्या वासियों ने मनाया था। दीए जलाकर नगर के लोगों ने भगवान 'श्री' राम के घर वापस लौटने पर अपनी खुशी का इजहार किया था क्योंकि भगवान 'श्री' राम असत्य पर सत्य की विजय स्थापित करके लौटे थे।

एक दूसरी मान्यता के अनुसार भगवान 'श्री' कृष्ण ने जब अपनी रानी सत्यभामा की मदद से नरकासुर का वध किया था, वह दिन कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी थी। नरकासुर के आतंक से मुक्ति के बाद खुशी प्रकट करने के लिए लोगों ने अगले दिन दीपोत्सव या दीपावली मनाया था।

दिवाली की उत्पत्ति से जुड़ी इन पौराणिक कथाओं से इतना तो साफ हो जाता है कि खुशियों और आशाओं का यह पर्व वास्तव में असतो मा सद्गमय का द्योतक है। हर साल दीपावली हमें यह याद दिलाता है कि असत्य बड़ा और भारी हो सकता है, मोहक और जटिल हो सकता है, पर लक्ष्मी निष्पक्ष भाव से उसी के साथ जुड़ती है जिसके साथ सत्य होता है।

हालांकि, दिवाली की उत्पत्ति से जुड़ी अमृत मंथन की पौराणिक कथा में देवी लक्ष्मी देवताओं का साथ देती है, जबकि वे छल के दोषी दिखाई देते हैं। फिर क्या लक्ष्मी भी पक्षपात करती हैं? या फिर सच इतना सरल भी नहीं है जितना अमृत मंथन की कहानी को ऊपरी तौर पर देखने से दिखाई देता है।

विष्णु पुराण में अमृत मंथन के पहले का प्रसंग आया है। कथा है कि एक बार दुर्वासा ऋषि ने इन्द्र को अत्यन्त सुगन्धित पुष्पों की माला अर्पित की। उस माला को इंद्र ने अपने वाहन ऐरावत को पहना दिया जिसे ऐरावत ने सूंघ कर जमीन पर फेंक दिया।

दुर्वासा ऋषि को ऐरावत द्वारा उस माला का जमीन पर फेंका जाना अपना अपमान लगा। गुस्से में भरकर उन्होंने इन्द्र देवता को शाप दे दिया कि तुमने मेरा अपमान किया है।अतः तुम 'श्री' हीन हो जाओगे।

विष्णु पुराण में आगे बताया गया है कि दुर्वासा के 'श्री' हीन होने के शाप के प्रभाववश सम्पूर्ण लोक लोभ से वशीभूत हो गया, फलस्वरूप जगत से सत्व समाप्त हो गया। बिना सत्व के गुण नहीं ठहर सकता है तथा बिना गुण के पुरुष में बल, शौर्य का अभाव हो जाता है, निर्बल पुरुष सभी से पराजित हो जाता है।

अर्थात, देवी लक्ष्मी और 'श्री' का गंभीर संबंध है। जहां से 'श्री' रूठ जाती हैं, वहां से सत्व भी विदा ले लेता है जिसके बाद लक्ष्मी उस स्थान को छोड़ देती हैं। इसके बाद कई स्थानों पर कहा गया है कि भगवती लक्ष्मी क्षीरसागर में विलीन हो गई।

सुख और समृद्धि लक्ष्मी के जाने के बाद नहीं रुकते हैं, देवता भी इस नियम के अपवाद नहीं है। असुरों ने देवताओं पर चढ़ाई कर दिया और उन्हें युद्ध में परास्त करके उनसे उनका स्वर्ग छीन लिया। हारे हुए देवता गण भगवान विष्णु से अपना तेज बल बढ़ाने के लिए प्रार्थना करने लगे।

उनकी स्तुति से प्रसन्न होकर लक्ष्मीपति विष्णु देवताओं को अमृत मंथन की युक्ति देते हैं। वे उनसे कहते हैं, 'तुम सब असुरों के साथ संधि कर लो क्योंकि अभी तुम्हें उनके सहयोग की आवश्यकता है। उन्हें आश्वासन दो कि साथ मिलकर क्षीरसागर का मंथन करते हैं और जब अमृत निकलेगा तब उसे आपस में आधा-आधा बांट लेंगे।'

तरह-तरह की औषधियों को लाकर क्षीरसागर में डालो, मिलकर फिर सागर का मंथन करो, एवं जब अमृत को बांटने का समय आएगा उस समय मैं कोई युक्ति का प्रयोग करूंगा और अमृत को असुरों में बंटने से रोक दूंगा। उस अमृत का पान कर तुम सभी देवता सबल और अमर हो जाओगे। तुम्हारा तेज एवं तुम्हारा 'श्री' पुनः बढ़ जाएगा।'

समुद्र मंथन से धनवंतरी देवता अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। उनके अतिरिक्त चंद्रमा, देवी लक्ष्मी, कौस्तुभ मणि एवं कालकूट विष भी निकला था । कालकूट विष को भगवान शिव पी गए, एवं अमृत कलश के बंटवारे के समय भगवान विष्णु मोहिनी का रूप धारण कर असुरों के साथ छल कर दिए और अमृत सिर्फ देवताओं को मिला। फिर भी भगवती लक्ष्मी भगवान विष्णु का चुनाव करती हैं, जो यह सोचने पर विवश कर देता है कि क्या लक्ष्मी हमेशा सत्य का साथ देती है?

लक्ष्मी हमेशा 'श्री' का साथ देती हैं। महालक्ष्मी का यंत्र 'श्री' यंत्र है और उनको समर्पित वैदिक प्रार्थना ''श्री'सुक्त है। 'श्री'का अर्थ आद्याशक्ति है, वह खास शक्ति जिस से जुड़ कर भगवान विष्णु श्री विष्णु बनते हैं, राम श्री राम, नारायण श्रीमन नारायण और कृष्ण श्री कृष्ण बनते हैं।

निश्चित रूप से लक्ष्मी को आकर्षित करने वाली शक्ति 'श्री' है।

इसलिए दुर्वासा भी देवताओं को श्री विहीन होने का शाप देते हैं। असुरों का आचरण श्री के विरुद्ध है।

अमृत मंथन की कथा को एक दूसरे दृष्टिकोण से मत्स्य पुराण में सुनाया गया है। यहां पर अमृत का मंथन देवताओं द्वारा अमरत्व प्राप्ति के लिए किया गया है।

कथा यह है कि असुर और सुर में लड़ाई होती रहती थी । असुरों के गुरु शुक्राचार्य को मृत संजीवनी विद्या का ज्ञान था। जिन असुरों को देवता मारते थे, उन्हें शुक्राचार्य अपनी विद्या से फिर से जीवित कर देते थे।

हार कर देवता गुरु बृहस्पति के पुत्र कच के पास पहुंचे और उनसे अनुरोध किया कि वे शुक्राचार्य के पास जाएं और अपनी सेवा से उन्हें और उनकी पुत्री देवयानी को संतुष्ट कर उनसे मृत संजीवनी विद्या का ज्ञान प्राप्त करें।

एक हजार साल तक कच उत्तम ब्रह्मचर्य का पालन करके शुक्राचार्य एवं देवयानी की सेवा किए। उनकी सेवा से देवयानी उन पर मोहित थी, मगर कच के लिए देवयानी गुरु पुत्री थीं।

कच की सत्विकता से असुर भयभीत हो गए। उन्हें डर लगा कि कहीं देवयानी उन्हें मृत संजीवनी विद्या का ज्ञान नहीं प्रदान कर दे? इसलिए उन्होंने गुरु कार्य को भक्तिभाव से सम्पादित करते समय कई बार कच को मार दिया, परन्तु शुक्राचार्य उन्हें हर बार अपनी विद्या से दोबारा जीवित कर देते थे।

फिर, एक बार ऐसा हुआ कि असुरों ने कच को मार कर जला दिया और उस राख को मदिरा में मिला कर शुक्राचार्य को पिला दिया। जब काफी समय हो गया और कच रात में आश्रम नहीं लौटे तब देवयानी चिन्तित होकर शुक्राचार्य के पास गई। देवयानी की चिन्ता देखकर शुक्राचार्य ने कच को आवाज दिया। उनके पेट से कच का स्वर आया। शुक्राचार्य के पूछने पर कच ने उन्हें अपना सम्पूर्ण वृतान्त सुना दिया।

शुक्राचार्य ने कच को बाहर आने के लिए कहा परन्तु कच ने मना कर दिया क्योंकि ऐसा करने से उनके आचार्य मृत्यु को प्राप्त हो जाते, बल्कि वह पेट की घोर अग्नि को झेलने के लिए तैयार था।

फिर शुक्राचार्य ने उन्हें संजीवनी विद्या का ज्ञान दिया जिसे पाकर कच सशरीर शुक्राचार्य के पेट से निकल आए।

बिहार चुनाव नतीजे और मुस्लिम वोटर

भूपेन्द्र पटेल

ओवैसी ने बिहार में भले ही पांच सीटें जीती हों, उसका असर अभी से यूपी में महसूस किया जाने लगा है। करीब 18 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले यूपी पर ओवैसी की नजर काफी पहले से है, लेकिन टेकऑफ का मौका नहीं मिल रहा है। अब बिहार में उन्होंने मुस्लिम बेल्ट में जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके बाद वे यूपी में अपनी सक्रियता बढ़ाने जा रहे हैं। इस वजह से राज्य में मुस्लिम वोट पर राजनीति करने वाली एसपी-बीएसपी के समीकरण बिगड़ सकते हैं। कहा जा रहा है कि ये दोनों पार्टियां अपने मुस्लिम नेताओं की जल्दी ही बैठक बुलाने जा रही हैं, जिसमें मुस्लिम वोट बैंक पर अपनी-अपनी पकड़ बनाए रखने की रणनीति बनाई जाएगी। मुलायम सिंह यादव जब तक सक्रिय रहे, वे मुस्लिम धार्मिक नेताओं से मुलाकात का नियमित सिलसिला बनाए रखते थे। सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पकड़ने के बाद एसपी की नई लीडरशिप ने इस तरह की गतिविधियों से खुद को दूर कर लिया था। लेकिन अब यह सिलसिला फिर से शुरू हो सकता है। इसके अलावा पार्टी जेल में बंद चल रहे आजम खान की रिहाई के लिए आंदोलन भी शुरू कर सकती है। पार्टी पर यह इल्जाम लगता रहा है कि जेल जाने के बाद आजम खान से उसने जिस तरह से किनारा किया है, वह उसकी मुसलमानों को लेकर बदली सोच का परिणाम है। पार्टी खुद को आजम के साथ खड़ा दिखाकर मुसलमानों में यह संदेश देने का अवसर तलाश रही है कि उसके नजरिए में कोई बदलाव नहीं आया है। उधर बीएसपी भी अलग-अलग मौकों पर पार्टी से बाहर गए मुस्लिम नेताओं के संपर्क में है और उसका इरादा उनकी घर वापसी कराने का है। वापसी का था भरोसा नीतीश कुमार को फिर से सत्ता में आने का इस हद तक भरोसा था कि उन्होंने राज्य विधान परिषद की एक दर्जन सीटों का मनोनयन टाल रखा था। ये मनोनयन मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल द्वारा किए जाने थे और इन पर बीजेपी-जेडीयू के बहुत सारे लोगों की निगाह लगी हुई थी। रघुवंश प्रसाद सिंह के बेटे ने भी जब जेडीयू जॉइन की, तो यही कहा गया था कि उन्हें विधान परिषद भेजा जाएगा। कहने वालों ने तो यहां तक कह डाला था कि रघुवंश प्रसाद सिंह के जीवन के अंतिम दिनों का जो घटनाक्रम रहा, उसके पीछे उनके पुत्र की विधान परिषद जाने की चाहत ही छिपी हुई थी। चुनाव कार्यक्रम घोषित होने से पहले मनोनयन को लेकर पार्टी नेताओं का जब नीतीश कुमार पर दबाव बढ़ा तो उन्होंने यह कहते हुए टाल दिया कि हडबड़ाहट क्यों, चुनाव बाद मनोनयन हो जाएगा। अब जिस तरह सत्ता के समीकरण बने हुए हैं, उसमें राज्य का पूरा राजनीतिक परिदृश्य ही बदल गया है। उसमें कब क्या होगा, कुछ भी यकीनी तौर पर नहीं कहा जा सकता। वैसे ऐसा ही अति आत्मविश्वास 2017 में यूपी में अखिलेश यादव को भारी पड़ चुका है। उस वक्त राज्य में आठ सूचना आयुक्त के पद खाली थे। उन पर भी अपने लोगों को 'एडजस्ट' करने का दबाव था, लेकिन उन्हें भी लग रहा था कि वे लौट रहे हैं, इसलिए बेफिक्र थे। नतीजा आने पर पता चला कि बीजेपी सत्ता में आ गई है। बीजेपी के कार्यकाल में इन पदों के लिए चयन हुआ। समाजवादी पार्टी के नेताओं के पास यह कहने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था कि ज्यादातर पोस्ट पर बीजेपी ने अपने लोगों को एडजस्ट करा दिया। शाह के हाथ रहेगी कमान

बिहार के बाद अब बीजेपी की प्राथमिकता सूची में बंगाल सबसे टॉप पर है। बंगाल चुनाव की सबसे खास बात यह होगी कि इसकी कमान अमित शाह संभालेंगे। इसकी बानगी अभी से ही दिखने लगी है। बिहार चुनाव के बीच में ही अमित शाह के बंगाल दौरे शुरू हो गए हैं। वे दो फ्रंट पर एक साथ खेलेंगे। एक तो पब्लिक का फ्रंट होगा। अमित शाह अपने आक्रामक तेवर के लिए जाने जाते हैं। पार्टी मानकर चल रही है कि वहां धार्मिक आधार पर गोलबंदी को जितनी धार दी जा सके, वह उसके हक में रहेगा और अमित शाह इस फ्रंट पर बेहतर परफॉर्म कर सकते हैं। दूसरा फ्रंट एक अदद ऐसे लोकल चेहरे की तलाश है जो ममता बनर्जी के राजनीतिक कद के बराबर हो। अभी तक वहां पार्टी ने अपने जितने भी नेता तैयार किए हैं, उनमें से कोई भी ममता की बराबरी नहीं कर पा रहा है। बाहर से वहां कोई चेहरा ले जाने का मतलब ममता को बढ़त दे देना होगा, क्योंकि वे अभी से बंगाली अस्मिता के मुद्दे को धार दे रही हैं। बाहर से कोई चेहरा जाते ही, वे बाहरी चेहरे को बंगाल की अस्मिता से जोड़ देंगी। ऐसे में अमित शाह कांग्रेस और वामदलों के बीच से कोई ऐसा बड़ा चेहरा तलाश रहे हैं, जिसे किसी भी तरह जोड़-तोड़ कर पार्टी में लाया जा सके। बस एकमात्र शर्त यही है कि उसकी राज्य स्तरीय पहचान हो और ममता के मुकाबले उसका कद इक्कीस न हो तो उन्नीस भी न हो। कहा जा रहा है कि अमित शाह के अब तक बंगाल के जो दौरे हुए हैं और आगे भी जो होने वाले हैं, उनका अजेंडा पार्टी के लिए एक अदद चेहरे का बंदोबस्त करना ही है। अमित शाह चौंकाने वाले फैसले करने के लिए जाने जाते हैं, इस वजह से यह देखना ज्यादा दिलचस्प होगा कि वे ममता के मुकाबले किसे आगे करते हैं।

एक हों तो बात बने

तमिलनाडु को लेकर बीजेपी की फिक्र कुछ अलग तरह की है। दरअसल वहां जो प्रमुख पार्टियां हैं, उनके साथ ही रहना कांग्रेस और बीजेपी दोनों की मजबूरी है, क्योंकि वहां अकेले दमखम दिखाना दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के बूते की बात नहीं है। डीएमके के साथ कांग्रेस का गठबंधन पहले से ही चला आ रहा है। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव में भी यह बरकरार रहेगा। अब बचती है एआईएडीएमके। बीजेपी इसके साथ जा सकती थी, लेकिन इस पार्टी में पहले से ही दो धड़े चल रहे हैं। एक धड़े के साथ बीजेपी के रिश्ते भी अच्छे नहीं बताए जा रहे हैं। बावजूद इसके बीजेपी की कोशिश चल रही है कि दोनों धड़े एक हों। तभी उनके साथ चुनावी गठबंधन किया जा सकता है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में चार साल की सजा काटकर शशिकला जेल से छूटने वाली हैं। एआईएडीएमके जिन दो धड़ों में बंटी है, उसमें एक धड़ा शशिकला का है और दूसरा पलानीस्वामी और पनीरसेल्वम का। विलय की तरफ कदम बढ़ाने में मुश्किल यह आ रही है कि शशिकला संगठन की कमान खुद अपने हाथ में लेना चाहती हैं। पलानीस्वामी और पनीरसेल्वम को वह सरकार की बागडोर सौंप सकती हैं, लेकिन इस शर्त पर कि उनके भतीजे को भी सरकार में महती जिम्मेदारी मिले। पलानीस्वामी और पनीरसेल्वम के लिए इन शर्तों को मानना बहुत आसान नहीं है। वे पार्टी में एका तो चाहते हैं, लेकिन शशिकला को निर्णायक फैक्टर नहीं बनाना चाहते, क्योंकि देर-सबेर उनके हाथ से सरकार जाने का खतरा बना रहेगा। बीजेपी को यकीन तो है कि वह सुलह कराने में कामयाब हो जाएगी, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता तो नया समीकरण तैयार करना उसकी मजबूरी होगी।

मुंबई के शिवाजी पार्क का नाम बदला, अब 'छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान' होगा नया नाम

मुंबई, दादर के शिवाजी पार्क मैदान का नाम बदल दिया गया है। अब इस मैदान को छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान के नाम से पुकारा जाएगा। महानगर पालिका की तरफ से इस मैदान पर नए नाम की तख्ती में लगा दी गई है। इस मैदान के नाम को बदलने का प्रस्ताव मार्च महीने में बीएमसी के सभागृह में लाया गया था।

दादर की पहचान था शिवाजी पार्क

मुंबई के दादर इलाके में मौजूद शिवाजी पार्क दादर इलाके की पहचान हुआ करता था। महानगर पालिका में इसके नाम को बदलने के प्रस्ताव को पारित होने के बाद अब यह नए नाम से पुकारा जायेगा। तकरीबन 73 साल बाद इस मैदान का नाम बदला गया है।

ऐतिहासिक है शिवाजी पार्क

शिवाजी पार्क का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है। इस मैदान में कई राजनीतिक सभाओं को किया जाता रहा है। जिनमें शिवसेना की दशहरा रैली प्रमुख है। इसके अलावा यह मैदान क्रिकेट के लिए भी प्रसिद्ध है। इस मैदान से कई क्रिकेटर पैदा हुए हैं। जो भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रहे हैं। जिनमें मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर का भी नाम शामिल है।

पहले माहिम पार्क के नाम से जाना जाता था

शिवाजी पार्क को पहले माहिम पार्क के नाम से जाना जाता था। इस उद्यान का नाम 10 मई 1927 को बदलकर शिवाजी पार्क रखा गया था। जिसके बाद साल 1966 में इस मैदान में शिवाजी महाराज का पुतला स्थापित किया गया था।

महाराष्ट्र के कराड के पास खाई में गिरी मिनी बस, नवी मुंबई के पांच लोगों की हादसे में मौत

महाराष्ट्र के नंदुरबार में हुए भीषण दुर्घटना के एक दिन बाद ही आज कराड में उंब्रज से दुखद खबर सामने आई ।यहां तारली नदी के पुल से एक मिनी बस लगभग 50 फुट नीचे घाटी में गिर गयी। इस घटना में 5 लोगों की मौत हो गई जबकि 7 लोग गंभीर रूप से जख्मी है। घटना सुबह 5 बजे की बताई जा रही है। यह मिनी बस नवी मुंबई के वाशी इलाके से गोवा के लिए निकली थी। इस दुर्घटना में तीन पुरुष, एक महिला व 3 वर्ष का एक लड़का भी शामिल हैं। इस दुर्घटना में कुल 5 लोगों की मृत्यु हुई है। इस हादसे में घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार यह हादसा गाड़ी पर नियंत्रण खोने से हुआ हो सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आर्थिक तंगी से परेशान बस कंडक्टर ने की आत्महत्या

जलगांव, महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के एक बस कंडक्टर ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। मामला प्रदेश के जलगांव का है। बताया गया कि वेतन के अनियमित भुगतान की वजह से कंडक्टर बहुत परेशान था। इस वजह से उसने आत्महत्या कर ली। मृतक के परिजन महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार को कंडक्टर की मौत का जिम्मेदार बता रहे हैं। कंडक्टर के भाई ने बताया कि बीते तीन महीने से मृतक को ठीक से सैलरी नहीं मिल रही थी। इस वजह से वह काफी परेशान था। उन्होंने बताया कि उनके भाई (कंडक्टर) ने अपनी मौत के जिम्मेदार के तौर पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का नाम लिया था। मृतक के पिता ने बताया कि मेरा बेटा एमएसआरटीसी के लिए काम करता था। वह जलगांव डिपो पर तैनात था। उन्होंने बताया कि वह कर्ज से जूझ रहा था और उसकी सैलरी बेहद कम थी। वह भी नियमित रूप से नहीं मिलती थी।भाई ने बताया उद्धव सरकार को जिम्मेदार वेतन को लेकर कर्मचारियों में आक्रोश मृतक के पिता अनिल चौधरी ने दावा किया कि इन्ही सब चीजों से परेशान होकर उनके बेटे ने आत्महत्या कर ली। बता दें कि राज्य परिवहन निगम के कर्मचारी अनियमित वेतन को लेकर आंदोलन पर उतारू हैं। जानकारी मिली है कि प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए एमएसआरटीसी कर्मचारी विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं।

अब टीचर भी कर सकेंगे मुंबई लोकल में सफर, रेलवे ने दी इजाजत

मुंबई, रेलवे ने शिक्षकों और गैर-शैक्षिक कर्मचारियों को मुंबई और इसके महानगरीय इलाकों में चलाई जा रहीं उपनगरीय ट्रेनों में यात्रा करने की अनुमति दे दी है। रेलवे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। महानगर क्षेत्र में उपनगरीय ट्रेनों का संचालन करने वाले वेस्टर्न और सेंट्रल रेलवे ने संयुक्त विज्ञप्ति में कहा कि तत्काल प्रभाव से अनुमति प्रदान कर दी गई है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि वैध पहचान पत्र दिखाकर स्टेशन में प्रवेश किया जा सकता है। यात्रियों के लिए कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए भौतिक दूरी और अन्य नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

हाल ही में महाराष्ट्र में अगले साल जनवरी-फरवरी में कोरोना वायरस की दूसरी लहर आने की आशंका जताई गई है। इसके मद्देनजर महाराष्ट्र सरकार ने अधिकारियों से कहा है कि जांच में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए। राज्य सरकार के स्वास्थ्य सेवा निदेशालय से 11 नवंबर को जारी एक सर्कुलर में कहा गया है कि अगले साल जनवरी-फरवरी में महामारी की दूसरी लहर आने की आशंका है।

सीरियल किलर रामन राघव को पकड़ने वाले इंस्पेक्टर फियालोह नहीं रहे

मुंबई, दहशत सिर्फ वह नहीं होती कि धायं-धायं गोलियां चलें और आदमी अगले पल ढेर हो जाए। दहशत सिर्फ वह भी नहीं होती कि भीड़भरे इलाकों और लोगों से भरी ट्रेनों में बम रख दिए जाएं और फिर जोर के धमाकों से पूरी जिंदगी ही खामोश हो जाए। दहशत का कभी एक और भी नाम था- रामन राघव (रमन राघव नहीं)। इसी राघव पर अनुराग कश्यप ने चार साल पहले फिल्म बनाई थी, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने राघव का किरदार निभाया था। यह फिल्म उस दौर में कान फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाई गई थी। जिन एलेक्स फियालोह ने रामन राघव को पकड़ा था, उनकी शनिवार को मुंबई में मृत्यु हो गई। फियालोह 92 साल के थे।

रामन राघव कितना खतरनाक और खूंख्वार था, इसे मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर ई.एस मोडक की इस टिप्पणी से ही समझा जा सकता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि राघव जैसी दहशत इससे पहले दुनिया में सिर्फ दो ही लोगों की रही- जैक द रिपर और बोस्टन स्ट्रेंग्लर की। जैक ने लंदन में अगस्त, 1881 में उस साल नवंबर तक सात महिलाओं को ढेर कर दिया था। पर वह न तो कभी पकड़ा गया और न ही पुलिस को उसकी कोई फोटो मिली। हां, उसकी इस दहशत से लंदन के मेट्रोपोलिटन पुलिस कमिश्नर सर चार्ल्स बारन की तब कुर्सी जरूर चली गई थी।

1962 से जनवरी, 1964 तक 13 महिलाओं का कत्ल

बोस्टन स्ट्रेंग्लर ने जुलाई, 1962 से जनवरी, 1964 तक 13 महिलाओं का कत्ल किया था। वह भी कभी पकड़ा नहीं गया, पर राघव गिरफ्तार हुआ और वह भी उन मोडक के कार्यकाल में, जिनके मुंबई पुलिस कमिश्नर रहते उसने सबसे ज्यादा कत्ल किए। अलग-अलग जांच एजेंसियों द्वारा की गई जांच और एक पुलिस सर्जन द्वारा उससे की गई पूछताछ के बाद जो तथ्य सामने आए, उसके मुताबिक, उसने कुल 41 लोगों के कत्ल किए थे, इसलिए जब वह तब के सब इंस्पेक्टर ऐलेक्स फियालोह के हाथों पकड़ा गया, तो मोडक इतने खुश हुए कि उन्होंने फियालोह को एक हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। उस वक्त हजार रुपये की कीमत आज के एक लाख रुपये से भी ज्यादा थी। हालांकि बाद में चार्ल्स शोभराज भी बिकनी किलर के नाम से पूरी दुनिया में सुर्खियों में रहा, पर उसकी कहानी रामन राघव के बाद शुरू हुई।

कैसे हुई राघव की गिरफ्तारी

राघव की गिरफ्तारी कैसे हुई, उस कहानी से पहले उसकी जिंदगी की कहानी को समझना बहुत जरूरी है। राघव का 1929 में तमिलनाडु के तिन्नेवेली जिले के अग्रेश्वर नेल्लुर गांव में जन्म हुआ था। पर क्या यह उसका मूल नाम था? जांच एजेंसियों को आखिर तक उस पर भ्रम बना रहा। उसने ज्यादातर लोगों को अपना नाम रामन राघव नहीं, सिंधी दलवई बताकर रखा था। उसने पांच साल की उम्र तक स्कूली पढ़ाई की और 13 साल की उम्र में वह मवाली बन गया। उसने 18 साल की उम्र में अपना गांव छोड़ दिया और 20 साल की उम्र में मुंबई चला आया। बीच-बीच में वह अपने गांव भी आता-जाता रहा। मुंबई में उसने अलग-अलग मिलों में काम किया। सन 1943 में उसने अपनी सगी बहन की बेटी गुरुअम्मा से शादी की, पर जब वह एक अपराध में कुछ दिनों के लिए मद्रास (चैन्ने का पुराना नाम) जेल गया, तो उसकी पत्नी से किसी और ने जबरन शादी कर ली। बाद में गुरुअम्मा ने अपने दूसरे पति को छोड़ दिया और राघव की रिहाई का इंतजार करने लगी। पर राघव जब जेल से बाहर आया, तो वह गुरुअम्मा के साथ बहुत ज्यादा नहीं रह पाया। गुरुअम्मा की बच्चे के जन्म के दौरान मौत हो गई।

मुंबई की मेयर किशोरी पेडणेकर ने बीजेपी नेता किरीट सोमैया को बताया 'महाभारत का शिखंडी'

मुंबई, मुंबई की मेयर किशोरी पेडणेकर ने बीजेपी नेता किरीट सोमैया को 'महाभारत का शिखंडी' बताया है। सोमैया ने किशोरी पेडणेकर एसआरए योजना का फ्लैट व ऑफिस हड़पने का आरोप लगते हुए मुंबई हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। मेयर उसी पर प्रतिक्रिया दे रही थीं। किशोरी पेडणेकर ने कहा, 'महाभारत काल में जो भूमिका शिखंडी की थी, वही सोमैया निभा रहे हैं। इसलिए ऐसे लोगों को ज्यादा तवज्जो देने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आरोप लगाना आसान है, उसे सिद्ध करना मुश्किल है।' सोमैया और शिवसेना के बीच पुराना टकराव है। बीजेपी-शिवसेना के अलग होने के बाद से लगातार सोमैया और शिवसेना नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। सोमैया पर निशाना साधते हुए पेडणेकर ने कहा कि उन्हें दूसरों पर आरोप लगाने का ही काम दिया गया है। कोई भी जनहित याचिका दायर करे, मैं उसका सामना करने के लिए तैयार हूं। बता दें कि सोमैया ने आरोप लगाया है कि लोअर परेल स्थित एक सोसायटी के फ्लैट और ऑफिस को मेयर ने पद का दुरुपयोग करते हुए हड़प लिया है। सबूतों के साथ उन्होंने मेयर के खिलाफ राज्य सरकार, एसआरए एवं बीएमसी को पत्र भेजा और शिकायत की। लेकिन, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के दबाव में कोई कार्यवाही नहीं हो रही थी। इसी को आधार बनाते हुए सोमैया ने मुंबई हाईकोर्ट में मेयर किशोरी पेडणेकर, सरकार, बीएमसी और एसआरए के खिलाफ जनहित याचिका दाखिल की है। मेयर पेडणेकर ने कहा कि सोमैया में हिम्मत है तो सबूत दिखाएं। इस तरह बेबुनियाद आरोप लगाकर किसी कि छवि खराब करने की कोशिश न करें।

महाराष्ट्र का यह गांव 15 साल पहले ही खुले में शौच मुक्त हो चुका था और जहां सब लोग टैक्स भरते हैं

औरंगाबाद, देश में अब स्मार्ट सिटी बनाने की संकल्पना शुरू हुई है। लेकिन महाराष्ट्र का एक गांव कई सालों पहले ही स्मार्ट गांव बन चुका था। यह गांव आज के तकरीबन 15 साल पहले यानी वर्ष 2005 में ही खुले में शौच मुक्त हो चुका था। यह ऐसा गांव है जहां पर हर व्यक्ति टैक्स भरता है। सुरक्षा के लिहाज से इस गांव में सीसीटीवी कैमरा भी लगाए गए हैं। इसके अलावा मुफ्त में आटा पीसने की चक्की भी नागरिकों के लिए लगवाई गई है। कचरा निस्तारण के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है। हर घर के बाहर दो कचरा पेटी रखी जाती है। जिसमें से एक में सूखा कचरा और दूसरे में गीला कचरा रखा जाता है। ऐसी कई सारी विशेषताएं हैं जिनके बारे में आज हम आपको विस्तार से बताएंगे। आइए जानते हैं महाराष्ट्र के इस गांव के बारे में।

महाराष्ट्र का स्मार्ट गांव

महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर) से 12 किलोमीटर दूर राज्य का यह स्मार्ट गांव पाटोदा है। यह सामान्य गांव नहीं बल्कि एक स्मार्ट गांव के रूप में पूरे राज्य ही नहीं बल्कि देश में जाना जाता है। इस गांव में आपको हर वह सुविधा मिल जाएगी। जिसके दरकार आपको देश के बड़े-बड़े शहरों में रहती है। गांव के सरपंच भास्कर पेरे अपनी टीम के साथ कई वर्षों से गांव को बेहतरीन बनाने के काम में जुटे हुए हैं।

गांव का हर घर टैक्सपेयर

मौजूदा दौर में जब सरकार को नागरिकों से टैक्स भरने के लिए रिक्वेस्ट करनी पड़ती हैं। तब भी इस गांव ने एक मिसाल देश की है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन यह 100 फ़ीसदी सच है। इस गांव के सभी लोग शत-प्रतिशत टैक्स भरते हैं।

जिसके बदले में ग्राम पंचायत भी उन्हें कई सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध करवाती है। जिसमें गेंहू की पिसाई दाल की पिसाई, मिर्च की पिसाई, सेवाएइयाँ बनाना, मसालों की पिसाई जैसी कई सुविधाएं प्रमुख हैं। गांव के सरपंच बताते हैं कि मुफ्त में गेंहू की पिसाई का देश में यह पहला प्रयोग है। 750 परिवारों वाले इस गांव की आबादी तकरीबन 3500 के आसपास है। साल भर में करीबन 30 लाख रुपये टैक्स के रूप में जमा होते हैं।

सीसीटीवी, वाईफाई से युक्त और गंदगी मुक्त है पाटोदा

सरपंच भास्कर पेरे ने एनबीटी ऑनलाइन से बात करते हुए बताया कि गांव में सुरक्षा के लिहाज से हर जगह पर हमने सीसीटीवी कैमरा लगाए हुए हैं। कंट्रोल रूम के जरिए इसकी मॉनिटरिंग भी की जाती है। उन्होंने बताया कि कई जगहों पर घूमने फिरने के बाद यह पाया कि गंदगी पर नियंत्रण और उसका निस्तारण करना बेहद जरूरी है। इसलिए हमने हर घर के बाहर दो छोटे-छोटे कचरा पेटी भी रखवाई है। जिसमें गांव के नागरिक गीला कचरा और सूखा कचरा अलग अलग डालते हैं और उसके बाद इस

कचरे को इकट्ठा कर उससे भी खाद बनाई जाती है। गांव में हर गली के मुहाने पर एक वाश बेसिन भी लगाया गया है। ताकि आते जाते हुए भी व्यक्ति इनका इस्तेमाल कर सके और स्वस्थ रह सके। गांव में हाई स्पीड वाईफाई भी लगा हुआ है।

ग्रामीणों के लिए निशुल्क पानी की सुविधा

शहरों में पीने के पानी की समस्या नागरिकों को अक्सर उठानी पड़ती हैं। लेकिन पाटोदा गांव में यह तकलीफ बिल्कुल भी नहीं है। इस गांव में नागरिकों को मुफ्त में ठंडा और गर्म पानी चौबीसों घंटे उपलब्ध करवाया जाता है।

इतना ही नहीं एमआईडीसी की तरफ से भी 24 घंटे पानी की सुविधा इस गांव में उपलब्ध करवाई जाती है। जिसके लिए गांव के हर घर के बाहर नल लगे हुए हैं और पास में ही मीटर लगा हुआ है। आदमी जितना पानी इस्तेमाल करता है उतनी रीडिंग मीटर में अंकित हो जाती है। नागरिकों को आरओ का मुफ्त पानी भी उपलब्ध करवाया जाता है। एक नागरिक को 20 लीटर पानी दिया जाता है। जिसके लिए उन्हें एक स्मार्ट कार्ड भी दिया गया है। जिसकी मदद से वह खुद जाकर मशीन से आरो का पानी लेते हैं।

सौर ऊर्जा के इस्तेमाल पर अधिक जोर

गांव की सरपंच भास्कर पेरे बताते हैं कि उन्होंने और उनकी टीम ने गांव में सोलर एनर्जी का पर्याप्त मात्रा में इस्तेमाल करने का फैसला किया था। जिसके जरिए अब गांव में नागरिकों को गर्म पानी मुहैया कराने के लिए इसी सौर ऊर्जा से चलने वाले हीटर का इस्तेमाल होता है। सड़कों पर लाइट और घरों की लाइट ज्यादातर सोलर एनर्जी से ही जलती है। इससे बिजली की भी बचत होती है और पर्यावरण का भी नुकसान नहीं होता।

महिला पुरुष बराबरी का संदेश

औरंगाबाद के पाटोदा गांव की एक खासियत यह भी है कि यहां हर घर के दरवाजे पर एक नेमप्लेट लगवाई जाती हैं। उस नेमप्लेट पर घर के मुखिया और उनकी पत्नी का नाम लिखवाया जाता है। इसके जरिए गांव में महिलाओं और पुरुषों में समानता का संदेश दिया जाता है। बच्चों की पढ़ाई के लिए एक आधुनिक आंगनबाड़ी है। जहां पर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा गांव में मौजूद जिला पंचायत स्कूल में भी सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है। प्रोजेक्टर के जरिए भी बच्चों को शिक्षा इस गांव में दी जाती है।

बुजुर्गों का भी विशेष ध्यान

गांव में मौजूद वरिष्ठ नागरिकों का भी पंचायत की तरफ से विशेष ध्यान रखा जाता है। गांव में जगह जगह पर बुजुर्गों के आराम के लिए बैठने की व्यवस्था की गई है।

गांव में जिन लोगों की देखरेख के लिए कोई नहीं है। उनके लिए भी पंचायत पूरा खर्च उठाती है और उनका ध्यान रखती है।

चौक पर लगा डिजिटल बोर्ड, पूरा गांव मिलकर मनाता है जन्मदिन

गांव के चौक पर एक डिजिटल बोर्ड भी लगाया गया है। जिसमें गांव की पूरी जनसंख्या और उसमें रहने वाले महिला पुरुषों की संख्या दिखाई जाती है। इसके अलावा गांव में जिस भी व्यक्ति का जन्मदिन होता है। उसके जन्मदिन को भी इस डिस्प्ले बोर्ड पर दिखाया जाता है। जिसके जरिए पूरा गांव उस व्यक्ति का जन्मदिन मिलकर मनाता है। इस प्रकार लोगों के बीच में प्यार और भाईचारा बढ़ाने का प्रयास किया जाता है।

एक बूंद पानी भी बर्बाद नहीं होता

गांव में एक बूंद पानी को वेस्ट नहीं होने दिया जाता है। गांव दूषित पानी को भी ट्रीटमेंट देकर उसका खेती में इस्तेमाल किया जाता है। गांव में शमशान भूमिका भी निर्माण करवाया गया है। गांव जब कोई व्यक्ति गुजर जाता है उसके स्मृति चिन्ह के रूप में उनके नाम को वहां बनवाई गयी कुर्सियों पर अंकित करवाया जाता है।

गड्ढा मुक्त सड़कें

मायानगरी मुंबई की सड़कों पर भी आपको गड्ढे मिल सकते हैं। लेकिन गांव के रहने वाले दिलीप पेरे बताते हैं कि हमारे गांव में सभी सड़कें पेवर ब्लॉक से बनाई गई हैं और यहां पर आपको ढूंढने से भी सड़क पर गड्ढा नहीं मिलेगा। पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए हर साल यहां पर सैकड़ों पेड़ लगाए जाते हैं। जिसके चलते यह गांव आपको हमेशा हरा-भरा नजर आता है। देश की 11 बेहतरीन ग्राम पंचायतों में से एक ग्राम पंचायत पाटोदा की भी मानी जाती है।केंद्र सरकार से यह सम्मान इस ग्राम पंचायत को भी प्राप्त हुआ है। देश भर की ग्राम पंचायतों से कई प्रतिनिधिमंडल अक्सर पाटोदा आते रहते हैं। ताकि वह भी अपने गांव और ग्राम पंचायत को ऐसा ही खुशहाल और हरा-भरा बना सकें।

कल्याण पुलिस ने लौटाए जनता के चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन, जनता ने जताया आभार

कल्याण, मुंबई से सटे कल्याण में पुलिस ने चोरी हुए और खोए हुए तकरीबन 27 मोबाइल जनता को वापस किए हैं। दिवाली के पर्व पर जनता मोबाइल को मोबाइल फोन से लौटा कर पुलिस ने एक तरह से उन्हें दीवाली गिफ्ट दिया है। खास तौर पर साल 2019 में आई बाढ़ में भी कुछ मोबाइल हो गए थे। उन मोबाइल फोन को भी पुलिस ने ढूंढकर नागरिकों को दिया है। नागरिकों ने भी पुलिस का खुले दिल से आभार व्यक्त किया है। केडीएमसी परिसर में चैन स्नेचिंग की वारदातें बढ़ीं कल्याण डोंबिवली इलाके में कुछ दिनों से चैन स्नैचिंग और चोरी की वारदातों में इजाफा हुआ है। कल्याण के एडिशनल कमिश्नर दत्तात्रेय कराले और पुलिस उपायुक्त विवेक पानसरे के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। जो ऐसे मामलों की जांच पड़ताल कर रही थी। इस टीम ने कई चोरी के मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी किए हुए सामान को भी जप्त किया है। कर्नाटक से जप्त किया चोरी का मोबाइल कल्याण शहर की खड़कपाड़ा पुलिस चोरी किए हुए मोबाइल मामलों की जांच कर रही थी। जांच के दौरान पुलिस को 27 महंगे मोबाइल फ़ोन का पता लगाने में कामयाबी मिली। पुलिस ने आज जनता को यह मोबाइल पुलिस उपायुक्त विवेक पानसरे की मौजूदगी में वापस किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने एक मोबाइल कर्नाटक राज्य से भी बरामद किया है। बाढ़ में गुम हुए मोबाइल भी लौटाए पुलिस ने केडीएमसी इलाके में साल 2019 के दौरान आई भयंकर बाढ़ में भी गुम हुए एक मोबाइल को तलाशा है। यह बाढ़ कल्याण के फुले नगर इलाके में आई थी। उस समय एक युवक का महंगा मोबाइल बाढ़ की भेंट चढ़ गया था। पुलिस ने बताया कि इसके बाद भी मोबाइल फोन और चोरी की हुए सामान समय-समय पर नागरिकों को लौटाए जाएंगे। फिलहाल दिवाली के पर्व पर जितने मोबाइल पुलिस ने जप्त करने में सफलता हासिल की थी। उन्हें नागरिकों के हवाले किया गया है।

वेज मीट' है जैकफ्रूट! गजब है इसका स्वाद और गुण

सोनल झालावाड़िया

कटहल का उपयोग फल के रूप में भी किया जाता है और सब्जी के रूप में भी। इसमें ऐसी कई खूबियां होती हैं जो इसे गर्मी के मौसम का गुणकारी फल और सब्जी है बनाती हैं। खासतौर पर अगर अब कोरोना के समय की बात करें तो कटहल का सेवन बहुत अधिक लाभकारी है। यह किन खूबियों से भरपूर होता है, आइए जानते हैं...

इन विटमिन से भरपूर होता है जैकफ्रूट

-कटहल में विटमिन-ए, विटमिन-बी6 और विटमिन-सी बहुत अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं।

-विटमिन-ए हमारी आंखों के लिए, विटमिन-बी6 ब्रेन हेल्थ के लिए और विटमिन-सी इम्यून सेल्स के बूस्ट करने के लिए बहुत उपयोगी होते हैं।

मिनरल्स का खजाना है कटहल

-कटहल चाहे तो आप सब्जी के रूप में खाएं या फिर इसे पकाकर फल के रूप में इसका सेवन करें। इससे आपको कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम, मैग्निशियम, फोलिक एसिड, थायामिन और नियासि जैसे मिनरल्स और पोषक तत्व मिलते हैं।

-अब सोचिए जरा...कितना कुछ समेटे हुए है कटहल अपने मोटे और सख्त छिलके के नीचे! ये सभी तत्व हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का काम करते हैं। वैसे भी कोरोना काल में हर किसी को मजबूत इम्युनिटी की जरूरत है।

ऐसे में कटहल की स्वादिष्ट सब्जी हम सभी की इस जरूरत को पूरा कर सकती है।

संक्रमण से बचाने में लाभकारी

-कटहल का फल और सब्जी दोनों ही हमारे शरीर को फ्लू, वायरल और फीवर से बचाने का काम करते हैं। क्योंकि इसमें मौजूद विटमिन-सी एक ऐंटिऑक्सीडेंट की तरह काम करता है। जो वायरल, वायरस और बैक्टीरिया को मारनेवाली श्वेत रक्त कोशिकाएं बनाने में सहायता करता है।

-डेंगू, मलेरिया, फ्लू और सबसे खतरनाक कोरोना से बचने के लिए यदि संभव हो सके तो आप अपने दैनिक आहार में कटहल के फल और सब्जी को शामिल करें। यह आपके शरीर को मजबूत बनाने का काम करेगा।

स्किन के लिए फायदेमंद है कटहल

-विटमिन-सी हमारे शरीर में कोलेजन के उत्पादन में सहायता करता है। यह कोलेजन हमारी स्किन को युवा बनाए रखने के लिए जरूरी होता है। साथ ही विटमिन-ए हमारी आंखों की आर्टरी को संकुचन से रोकता है। इससे हमारी आंखों की रोशनी बुढ़ापे में भी सही बनी रहती है।

स्किन के लिए फायदेमंद है कटहल

-विटमिन-सी हमारे शरीर में कोलेजन के उत्पादन में सहायता करता है। यह कोलेजन हमारी स्किन को युवा बनाए रखने के लिए जरूरी होता है। साथ ही विटमिन-ए हमारी आंखों की आर्टरी को संकुचन से रोकता है। इससे हमारी आंखों की रोशनी बुढ़ापे में भी सही बनी रहती है।

क्यों है कटहल वेज-मीट?

-आपके मन में यह सवाल जरूर उठ रहा होगा कि आखिर हमने यहां कटहल को वेजमीट क्यों कहा? ऐसा इसलिए क्योंकि कटहल हमारे शरीर को वे गुण तो देता ही है, जो किसी फल और सब्जी से हमें प्राप्त होते हैं। साथ ही कटहल उन गुणों से भी भरपूर होता है, जो हमें आमतौर पर डेयरी प्रॉडक्ट्स या मीट से मिलते हैं!

-जैसे, कटहल में कैल्शियम भी होता है। जिसकी प्राप्ति के लिए हम मुख्य रूप से डेयरी प्रॉडक्ट्स और नॉनवेज पर निर्भर रहते हैं। साथ ही इससे मिलनेवाला अमीनो एसिड हमारे दिल की सेहत को बनाए रखने में सहायता करता है।

कटहल का स्वाद और मिजाज

- पोटैशियम, हमारे शरीर के अंदर सोडियम की मात्रा को नियंत्रि करने का काम करता है। सबसे बड़ी बात यह है कि कटहल की सब्जी बनने के बाद देखने में कुछ-कुछ नॉनवेज जैसी दिखती है और इसके बड़े-बड़े पीसेज को खाने का तरीका भी कुछ-कुछ वैसा ही होता है।

एनर्जी लेवल बढ़ाता है

-जो लोग बहुत जल्दी थक जाते हैं, जिन्हें सांस फूलने की समस्या है या जो लोग हर समय खुद को थका हुआ अनुभव करते हैं। वे लोग कुछ दिन नियमित रूप से एक समय कटहल के फल और एक समय कटहल की सब्जी का उपयोग करें तो कुछ ही दिन में उन्हें बहुत लाभ देखने को मिलेगा।

पीरियड्स में क्यों अपवित्र हो जाती हैं महिलाएं?

हम सभी इस बारे में जानते हैं कि पीरियड्स के दौरान महिलाओं को पूजा करने, मंदिर जाने, खाना बनाने यहां तक कि कई घरों में तो रसोई में प्रवेश करने की भी इजाजत नहीं होती है। ऐसा सिर्फ गांव तक सीमित नहीं है। गौर करने पर आपको शहरों में भी ऐसे कई घर देखने को मिल जाएंगे। अब सवाल यह उठता है कि पीरियड्स होने पर आखिर ऐसा क्या बदल जाता है कि महिलाओं को अपवित्र मान लिया जाता है?

शुरुआत का कारण

-पीरियड्स महिलाओं को मिली एक ऐसी शक्ति है, जो प्रकृति के समान ही उन्हें दुनिया को आगे बढ़ाने की योग्यता देती है। फिर जिस प्रक्रिया का दुनिया को आगे बढ़ाने में अहम योगदान हो, वह अपवित्र कैसे हो सकती है?

-इस सवाल पर गायनोकॉलजिस्ट डॉक्टर सोनिया चावला कहती हैं कि महिलाओं को पूजा ना करने और खाना ना बनाने की शुरुआत के पीछे यह मानसिकता होना माना जाता है कि उन्हें इस दौरान आराम की जरूरत होती है। क्योंकि पीरियड्स के कारण होने वाले दर्द और हॉर्मोनल बदलाव से महिलाओं के शरीर में काफी कमजोरी आ जाती है।

धर्म से जुड़ने का कारण

- अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए डॉक्टर सोनिया कहती हैं कि पुराने समय में धर्म में लोगों की बहुत आस्था थी। यही वजह है कि एजुकेशन से जुड़ी ज्यादातर चीजों को धर्म से जोड़ दिया जाता रहा है। पीरियड्स में पूजा ना करने का कारण यह माना जाता है कि पुराने समय में पूजा पद्धति मंत्रोच्चार के बिना पूरी नहीं होती थी। या कहिए कि मंत्रोच्चार द्वारा ही पूजा की जाती थी। -मंत्रोच्चार को यदि पूरी धार्मिक प्रक्रिया शुद्धि और उच्चारण का ध्यान रखकर किया जाए तो इसमें शरीर की बहुत ऊर्जा खर्च होती है। क्योंकि पीरिड्स में महिलाओं का शरीर पहले से ही कमजोर हो जाता है, ऐसे में अगर वे मंत्रोच्चार करेंगी तो उनके शरीर को और अधिक ऊर्जा की जरूरत होगी। साथ ही वे पूजा में ध्यान नहीं लगा पाएंगी। इसलिए महिलाओं को पूजा करने की मनाही थी। जो बाद में एक रूढ़िवादी सोच बन गई।

किचन में क्यों नहीं जाएंगी महिलाएं?

-आखिर महिलाएं अगर पीरियड्स के दौरान रसोई में चली जाएं तो क्या हो जाता है? इस पर डॉक्टर चावला कहती हैं कि रसोई में ना जाने की परंपरा के पीछे हमारा सामाजिक ताना-बाना है। बीते वक्त में हमारे समाज में जॉइंट फैमिलीज हुआ करती थीं। पूरा कुटुंब एक हवेली में साथ रहा करता था।

-इसलिए भोजन भी बहुत अधिक मात्रा में बनता था। साथ ही उस समय खाद्यपदार्थों का बाजारीकरण नहीं हुआ था तो महिलाओं के पास काम भी बहुत अधिक हुआ करते थे। जैसे, आटा, दाल, मसाले जैसी सभी चीजें घरों में तैयार की जाती थीं। -इन सभी कामों से महिलाओं को कुछ दिन आराम मिल सके। इस कारण उनके लिए पीरियड्स के दौरान रसोई में ना जाने की परंपरा की शुरुआत हुई होगी। ऐसा हम पीरियड्स के दौरान महिलाओं की फिजिकल और मेंटल स्थिति को देखते हुए कह सकते हैं। क्योंकि उस जमाने में ना तो पैड्स हुआ करते थे और ना ही वजाइनल वॉश। साथ ही पेन किलर के रूप में भी सिर्फ घरेलू नुस्खों पर ही निर्भरता थी।

हमें पीरियड्स को समझना होगा

-जब तक हम पीरियड्स को एक सामान्य और बायॉलजिकल प्रॉसेस नहीं मानेंगे तब तक अपने समाज से ऐसी रूढ़ियों को दूर करना संभव नहीं है, जिनमें महिलाओं को पीरियड्स के दौरान उपयोग किए जानेवाले कपड़े भी अंधेरे में धोने होते हैं। ताकि कोई उन्हें ऐसा करते हुए देख ना ले। -यहां तक कि महिलाएं इन कपड़ों को सुखाती भी साड़ी और दुपट्टे के नीचे हैं ताकि उन पर किसी की नजर ना पड़े। सोच से जुड़ी से सब सामाजिक दिक्कतें महिलाओं की सेहत को बहुत अधिक नुकसान पहुंचाती हैं। -कई बार तो उन्हें पता भी नहीं चल पाता है कि उनके कंसीव ना कर पाने यानी मां ना बन पाने का कारण पीरियड्स के दौरान उचित सफाई और हाइजीन का अभाव है। पीरियड्स के दौरान होनेवाला इंफेक्शन कभी-कभी इतना गंभीर हो जाता है कि यूट्रस यानी बच्चेदानी तक फैल जाता है।

हमारे देश में मैंस्ट्रुअल हाइजीन

-पीरियड्स के कारण हमारी सोसायटी में महिलाओं को आज भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जैसे, अच्छी क्वालिटी के पीरियड पैड्स बहुत महंगे होते हैं, इस कारण हर कोई उन्हें खरीद नहीं पाता। ऐसे में पुराना कपड़ा उपयोग करना मजबूरी बन जाती है। - जो महिलाएं इन पैड्स को अफॉर्ड कर पाती हैं, वो भी पीरियड्स के दौरान कहीं ट्रेवल करने या बाहर जाने से कतराती हैं। क्योंकि पब्लिक टॉयलट्स का अभी भी बहुत अभाव है। अगर टॉयलट्स हैं भी तो वहां उपयोग किए हुए पैड को डिस्पोज करने की उचित सुविधा नहीं होती। -ऐसे में अनहाइजीनिक स्थितियां बनती हैं, जो संक्रमण और बीमारियां फैलाती हैं। कई बार आस-पास कोई टॉइलट नहीं होता है तो महिलाओं को एक ही पैड 12 घंटों से अधिक भी उपयोग करना पड़ता है। जो कि इंफेक्शन की वजह बन जाता है।

पेट रहेगा हल्का, खाने के बाद रोज करें यह आसन

आप चाहें तो मूवी देखते हुए या न्यूज सुनते हुए भी वज्रासन आराम से कर सकते हैं। या फिर अपने परिवार के साथ गपशप करते हुए भी इस आसन में बैठ सकते हैं। यह सबसे आसान आसनों में से एक है लेकिन इसके फायदे अनेक हैं...

आमतौर पर माना जाता है कि योगासन खाना खाने के 4 घंटे बाद ही करने चाहिए। लेकिन वज्रासन एक ऐसा योग है, जिसे आप खाना खाने के तुरंत बाद करेंगे तो आपको पाचन संबंधी समस्याओं में आराम मिलेगा। खासतौर पर जिन लोगों को खाना खाने के तुरंत बाद पेट में भारीपन महसूस होता है, खट्टी डकारें आती हैं या सुबह पेट ठीक से साफ नहीं होता है। उन लोगों को यह आसन जरूर करना चाहिए। वज्रासन करने की विधि -वज्रासन करने के लिए आप अपने दोनों पैरों को पीछे की तरफ मोड़ते हुए घुटनों के बल बैठ जाएं। कमर, पीठ और कंधे सीधे रखें। गर्दन को सीधा रखते हुए मुंह सामने की तरफ रखें। दोनों हाथों को घुटनों के ऊपर या ध्यान मुद्रा में गोद में रखें। आंखें बंद कर मन को शांत करने का प्रयास करें और गहरी सांसे लें। वज्रासन के लाभ वज्रासन करने से कोई एक फायदा नहीं होता बल्कि बहुत सारे फायदे होते हैं। यह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने से लेकर फिगर को मेंटेन रखने में भी मददगार है। यहां जानें क्या-क्या करता है वज्रासन...

- वज्रासन करने से जठराग्नि बढ़ती है। जठराग्नि को आप उस ऊर्जा के रूप में समझ सकते हैं। यह भोजन पचाने और हमारे शरीर को एनर्जी देने का काम करती है। आज की जनरेशन ज्यादातर समय बैठे रहने या खड़े रहने वाले जॉब करती है। ऐसे में उन्हें पैरों में दर्द की शिकायत रहती है। वज्रासन इन युवाओं को बहुत अधिक लाभ देता है। वज्रासन करने से पेट संबंधी परेशानियां और गैस से संबंधित परेशानियां नहीं होती हैं। साथ ही हमारा ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। - इस आसन से हमारी बैक बोन यानी रीढ़ की हड्डी और कंधे सीधे होते हैं, जिससे बॉडी फर्म होती है। हमारा शरीर सुडोल बनता है। - वज्रासन करने से पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती है। ऐड़ी और पिंडलियों के दर्द में बहुत राहत मिलती है। जो लोग फिटनेस फ्रीक हैं लेकिन चाहकर भी अपने आप को मेंटेन करने के लिए वक्त नहीं निकाल पाते हैं, उन्हें यह आसन करना चाहिए। - सिटिंग जॉब में रहनेवाले वे लोग जो अपना फिगर मेंटेन रखने की चाहते रखते हैं लेकिन वक्त की कमी है, उन्हें यह आसान राहत देगा। पेट को पतला रखना चाहते हैं तो नियमित रूप से खाना खाने के बाद वज्रासन करें। आपका पेट बाहर नहीं निकलेगा।

वज्रासन के प्रका

-वज्रासन आमतौर पर दो प्रकार का होता है। दूसरे प्रकार के वज्रासन को सुप्तवज्रासन कहते हैं। इसमें बैठने का तरीका थोड़ा-सा अलग होता है।

-यह खासतौर पर उन लोगों के लिए लाभदायक होता है, जिन्हें सिटिंग जॉब के कारण कंधे और गर्दन में दर्द रहता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : यह सप्ताह स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहद सतर्क रहने का संकेत दे रहा है। आपको स्वास्थ्य संबंधी कोई बड़ी परेशानी आ सकती है। बीमारियों पर खर्च होने की आशंका भी है। समुद्र, नदी, तालाब, कुएं आदि से दूर रहें। आर्थिक स्थिति डगमगा सकती है। उच्चाधिकारियों से मतभेद रहेंगे।

वृषभ : भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च ज्यादा होगा। पारिवारिक जरूरतों पर भी खर्च होगा। आय के साधनों में बढ़ोतरी होगी। व्यापार-व्यवसाय और नौकरी में उन्नति की संभावनाएं बन रही हैं। जिनके पास अब तक कोई जॉब नहीं है, उन्हें भी अच्छे अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। दांपत्य जीवन में मतभेद के बावजूद आपसी प्रेम बना रहेगा।ें।

मिथुन : यह सप्ताह आपके लिए बेहतरीन संभावनाएं और अवसर लेकर आ रहा है। आर्थिक मजबूती की ओर अग्रसर होंगे। नया कार्य प्रारंभ करेंगे। परिवार में कोई प्रॉपर्टी, वाहन खरीदने के योग हैं। मांगलिक कार्य होंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। नौकरी में तरक्की की संभावनाएं बन रही हैं लेकिन आपको मेहनत में पीछे नहीं हटना है।ें।

कर्क : आपके लिए मानसिक और शारीरिक दोनों ही दृष्टि से सप्ताह मध्यम है। किसी विशेष काम के पूरे हो जाने के कारण मानसिक सुकून मिलेगा। अटके हुए बहुत से काम इस सप्ताह गति पकड़ेंगे, खासकर वे काम जिनमें आपका पैसा फंसा हुआ है। निवेश के लिए समय अनुकूल है। पैतृक संपत्ति से संबंधित कार्यों का निपटारा होगा।

सिंह : स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। सावधान रहें। किसी भी बात का अधिक तनाव ना लें। इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाओं में कमी आ सकती है। खर्च की अधिकता रहने से मन विचलित रहेगा। परिवार में किसी से अनबन होने के कारण मन खिन्न रहेगा। विचारों में टकराव के कारण विवाद की स्थिति बनेगी। आय के साधन सीमित रहेंगे।

कन्या : सप्ताह तरक्की और प्रगति वाला रहेगा। जो काम इस सप्ताह शुरू करेंगे उनमें निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। मनमुताबिक काम होने से मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार के साथ उत्तम तालमेल रहेगा। आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। कार्य-व्यवसाय में तरक्की होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी।

तुला : पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा, कोई सम्मान मिल सकता है। आपकी मेहनत का फल इस सप्ताह मिलने वाला है। आर्थिक प्रगति के अनेक अवसर मिलेंगे लेकिन उनमें से आपको उचित का चुनाव अपने लिए करना है। भौतिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा।

वृश्चिक : बात-बात पर क्रोधित होने की आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है। लोग आपसे दूर होते जाएंगे। जो भी काम करें उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ करें। कार्य-व्यवसाय को गति देने के लिए ज्यादा मेहनत की जरूरत है। सही समय पर निर्णय लेने से आधी परेशानी तो यूं ही दूर हो जाएगी। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा।

धनु : आपके लिए सप्ताह बेहतरीन साबित होगा। सोचे हुए सभी काम पूरे हो जाएंगे। पैसों का आगमन अच्छे तरीके से होता रहेगा। मन प्रसन्न रहने से कार्यों में मन लगेगा। किसी प्रिय से भेंट हो सकती है। नए बिजनेस शुरू करने का मौका है, लाभ होगा। नौकरी में बदलाव लाभदायक रहेगा। परिवार में आपकी बात को महत्व मिलेगा।

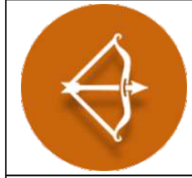

मकर : स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह गड़बड़ है। सतर्क रहें। पारिवारिक और निजी संबंध सुधरेंगे। अपनी वाक चतुराई से बिगड़े काम भी बन जाएंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। बिजनेस और नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय के नए साधन प्राप्त होंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। किसी प्रिय से भेंट हो सकती है।

कुंभ : सप्ताह अनेक अवसरों के साथ चुनौतियों वाला रहेगा। परिवार के किसी के साथ मतभेद मानसिक रूप से परेशान करेगा। किसी प्रिय के साथ आपका टकराव हो सकता है। आपके निर्णय पर सवाल उठेंगे। पैसों की तंगी महसूस हो सकती है, लेकिन परेशान न हों, सप्ताह के अंत में सारी भरपाई हो जाएगी। अपने काम से अधिक पैसा कमाएंगे।

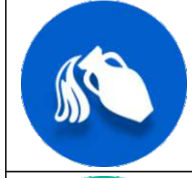

मीन : पारिवारिक जीवन में चल रहे मतभेद इस सप्ताह दूर हो जाएंगे और आप परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। हालांकिआपके क्रोध में अभी भी कमी नहीं आएगी, लेकिन फिर भी सामान्य स्थिति में जल्द ही चले जाएंगे। पैसों का आगमन सामान्य रूप से होगा। त्योहार का उल्लास मन में छाया रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

राजू: दुनिया का सबसे बड़ा त्योहार कौन सा है?

पप्पू: घरवाली।

राजू: मतलब?

पप्पू: और क्या, हफ्ते में 3-4 बार तो मनाना ही पड़ता है।

सोनू: सबसे ज्यादा टैलंटेड स्टूडेंट्स भारत में ही हैं।

मोनू: कैसे कह सकते हो?

सोनू: और क्या, इनको बस आंसर की 'हेडिंग' बता दो, बाकी बनाकर तो लिख ही लेते हैं।

बेटा: पापा, क्या हम इस साल हॉन्टेड हाउस जा सकते हैं?

पापा: जहां हम रह रहे हैं, उसमें क्या कमी है?

बेटा: क्या मतलब?

पापा: गुड नाइट बेटा, सो जाओ।

लोंगेवाला में टैंक पर सवार हुए पीएम मोदी, दिवाली पर जवानों को बांटी मिठाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीपावली इस साल भी सैनिकों के बीच मन रही है। जैसलमेर के लोंगेवाला पोस्ट जाकर उन्होंने जवानों के बीच वक्त बिताया। इस दौरान उन्होंने टैंक की सवारी की और जवानों मे मिठाइयां भी बांटी। पहले पोस्ट और फिर जैसलमेर एयरबेस पर मोदी ने देश के बहादुर जवानों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने सैनिकों से कहा कि 'आपका यही जोश, यही जुनून देश को आश्वस्त करता है। आपकी ये हुंकार दुश्मन के पैरों में कंपकंपी पैदा कर देती है, माथे से पसीने छुड़ा देती है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं कई बार यहां (एयरबेस) आया लेकिन शेड्यूल इतना बिजी रहा है कि सैनिकों के साथ वक्त बिताने का समय नहीं मिला।

देश के हर घर में हो रहा आप का गौरव गान: पीएम

पीएम मोदी ने सैनिकों से कहा, "दीपावली के दिन दरवाजे या गेट के सामने शुभ-लाभ या रिद्धि-सिद्धि आदि रंगोली की परंपरा है। इसके पीछे यही सोच होती है कि दीपावली पर स्मृद्धि आए। वैसे ही राष्ट्र की सीमाएं एक प्रकार से देश का द्वार होती हैं। ऐसे में राष्ट्र की स्मृद्धि, शुभ-लाभ और रिद्धि-सिद्धि आपसे है और आपके पराक्रम से है। इसलिए ही आज देश के हर घर में आप सभी का गौरव गान करते हुए आपके लिए दीया जलाकर लोग अपनी भावनाएं प्रकट कर रहे हैं।"

लोंगेवाला से चीन की 'विस्तारवादी सोच' पर किया हमला

इससे पहले, लोंगेवाला पोस्ट पर मोदी ने कहा कि अगर भारत को आजमाया गया तो ''प्रचंड जवाब'' मिलेगा। चीन पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए मोदी ने किसी का नाम लिये बगैर कहा कि आज पूरा विश्व ''विस्तारवादी'' ताकतों से परेशान हैं। विस्तारवाद, एक तरह से ''मानसिक विकृति'' है और 18वीं शताब्दी की सोच को दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''भारत दूसरों को समझने और उनके साथ आपसी समझ बनाने की नीति में विश्वास करता है लेकिन अगर उसे आजमाने की कोशिश की जाती है, तो इसका प्रचंड जवाब दिया जायेगा।'' उनका यह संदेश लद्दाख सीमा पर चीन के साथ जारी गतिरोध के बीच आया है।

450 सालों में करीब 1.9 किलोमीटर पीछे खिसका गंगोत्री ग्लेशियर, स्टडी में दावा

देहरादून, पृथ्वी के तापमान में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी और मौसम में आ रहे बदलाव के चलते हिमालय के ग्लेशियर दुनिया के किसी अन्य हिस्सों की तुलना में तेजी से पीछे हट रहे हैं। एक स्टडी के मुताबिक, 16वीं शताब्दी के बाद 360 सालों में गंगोत्री ग्लेशियर हर साल 63 मीटर पीछे खिसकता था। इसके बाद अगले 80 सालों में यह करीब 1.9 किलोमीटर पीछे खिसक गया है।

गंगोत्री ग्लेशियर से भागीरथी नदी निकलती है, जो कि आगे चलकर गंगा कहलाती है। उत्तराखंड में वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने पेड़ों और झाड़ियों को देखा जो कि इसके करीब बढ़ते हैं। एल्सेवियर की ओर से 'क्वाटरनेरी इंटरनेशनल' में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक, एक ग्लेशियर जब पीछे हटता है तब यह ताजी बर्फ की तुलना में तेजी से पिघलता है। इससे इस बात का पता लगाया जा सकता है कि प्रत्येक पेड़ कितना पुराना था और टर्मिनस (एक ग्लेशियर के अंत) से कितनी दूर था, तो वे ग्लेशियर की कम से कम दूरी की गणना कर सकते हैं। स्टडी में कहा गया है कि अब तक केवल 11 हिमालय के ग्लेशियरों का ही बड़े पैमाने पर संतुलन के लिए अध्ययन किया गया है और कुछ 100 उतार-चढ़ावों की निगरानी की जा रही है। प्रमुख लेखक जयराज सिंह ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि ग्लेशियर सीधे जलवायु परिस्थितियों से जुड़े होते हैं। इसलिए वे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। यह उनके आसपास उगने वाली वनस्पति से पता चलता है।

1571 के पेड़ से पुरानी स्थिति का चला पता

स्टडी में कहा गया है कि पश्चिमी हिमालय में कई ऊंचाई वाली प्रजातियां हैं। रेकॉर्ड किया गया कि सबसे पुराना पेड़ भोजबासा में हिमालयन ग्लेशियर में था, जिससे कम से कम 1571 तक की स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

कितना पीछे खिसका ग्लेशियर, ऐसे चला पता

इस स्टडी में में कहा गया है कि 1571 से पहले भोजबासा ग्लेशियर या ग्लेशियर से मुक्त था। उस समय ग्लेशियर से यह पेड़ 1.4 किमी दूर था। अब यह 3.26 किमी दूर है। इसका अर्थ है कि ग्लेशियर 1.86 किमी चले गए हैं। स्टडी में कहा गया है कि 1571-1934 के दौरान ग्लेशियर के पिघलने की दर केवल 63 मीटर थी। तब से यह एक और 1.8 किमी पीछे हट गया है। ग्लेशियर 1957 से 1.57 किमी के बाद से तेजी से पीछे हटा, जो कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते था।

गूगल बंद कर सकता है आपका जीमेल अकाउंट? इसे रोकने के लिए जानें क्या करना होगा आपको

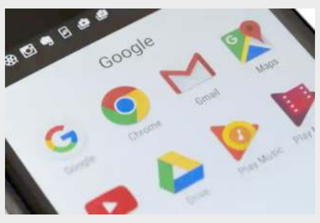

अगर आपका गूगल पर अकाउंट है तो सावधान हो जाइए। गूगल 1 जून 2021 से नई पॉलिसी लागू करने जा रहा है। नई पॉलिसी लागू होने बाद आपका अकाउंट बंद भी हो सकता है। नई पॉलिसी के मुताबिक यदि यूजर्स का जीमेल, गूगल ड्राइव और गूगल फोटो अकाउंट दो साल से निष्क्रिय है तो गूगल इन सभी अकाउंट पर से आपका कंटेंट हटा देगी और इन अकाउंट को बंद कर देगी। इतना ही नहीं यदि आपको अपने जीमेल, गूगल ड्राइव और गूगल फोटो अकाउंट को आगे भी इस्तेमाल करना है तो आपको इन अकाउंट पर अपनी सक्रियता बढ़ानी होगी। गूगल किसी भी यूजर का कंटेंट हटाने से पहले उसे इसकी जानकारी भी देगा। गूगल की नई पॉलिसी से मुताबिक अगर आपका अकाउंट 2 साल से अपनी स्टोरेज लिमिट से ज्यादा है तो गूगल कंटेंट को जीमेल, ड्राइव और फोटो पर से हटा सकता है। हालांकि गूगल ने साफ कर दिया है कि कंटेट हटाने से पहले यूजर्स को इसकी जानकारी भी दी जाएगी। अगर आप अपने अकाउंट को बंद होने से बचाना चाहते हैं तो आपको समय-समय पर अकाउंट को ओपन कर उसमें अपडेट करते रहना होगा।

बीजेपी के राज्य प्रभारियों की नई सूची जारी, राधा मोहन सिंह को मिली उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंप दी। उन्होंने महासचिव कैलाश विजयवर्गीय पर भरोसा जताते हुए उन्हें फिर से पश्चिम बंगाल का प्रभारी बनाया है, वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री राधा मोहन सिंह को उत्तर प्रदेश का जिम्मा सौंपा है। भाजपा की ओर जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक महासचिव भूपेंद्र यादव अब बिहार के साथ-साथ गुजरात के प्रभारी के रूप में भी नई भूमिका निभाएंगे। केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन को आंध्र प्रदेश का जिम्मा सौंपा गया है, वहीं बैजयंत पांडा को दिल्ली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पांडा श्याम जाजू की जगह लेंगे। पूर्व महासचिव वी मुरलीधर राव को जहां विनय सहस्त्रबुद्धे की जगह मध्य प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है, वहीं महासचिव सीटी रवि को महाराष्ट्र का जिम्मा सौंपा गया है। पार्टी महासचिव दुष्यंत गौतम को पंजाब के साथ-साथ उत्तराखंड का भी प्रभारी बनाया गया है। पार्टी की ओर से मिली जानकारी के अनुसार महासचिव अरुण सिंह कर्नाटक के साथ राजस्थान के भी प्रभारी होंगे। अब तक वह ओडिशा के प्रभारी थे। बिहार विधानसभा चुनाव में जीत के बाद पार्टी ने पश्चिम बंगाल में अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर दिया है। पार्टी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय पर भरोसा कायम रखते हुए उन्हें पश्चिम बंगाल का प्रभारी बनाए रखा है। अरविंद मेनन पूर्व की तरह सह प्रभारी की भूमिका में बने रहेंगे। पार्टी ने अपने सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी अमित मालवीय को भी मेनन के साथ पश्चिम बंगाल के सह प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा को पार्टी ने मणिपुर की जिम्मेदारी देते राज्य प्रभारी पद सौंपा है। वहीं, नलिन कोहली को नागालैंड की जिम्मेदारी दी है। महाराष्ट्र के बीजेपी नेता विनोद तावड़े को हरियाणा और असम से बीजेपी नेता दिलीप सैकिया को अरुणाचल प्रदेश और झारखंड का प्रभारी बनाया गया है।

दीपोत्सव में 6.07 लाख मिट्टी के दीये, अयोध्या ने तोड़ा अपना ही गिनीज रेकॉर्ड

अयोध्या, रामनगरी में हुए दिव्य दीपोत्सव में 6.07 लाख मिट्टी के दीये जलाकर अयोध्या ने 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स' में फिर से अपना नाम दर्ज करा लिया। इस मौके पर यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बार हमने छह लाख से ज्यादा दीप अयोध्या में जलाए हैं।

अब अगले साल 2021 के दीपोत्सव में 7.51 लाख दीपकों से अयोध्या रोशन होगी और नया कीर्तिमान कायम किया जाएगा।

अयोध्या दीपोत्सव में बने नए रेकॉर्ड की पुष्टि करते हुए गिनीज रेकॉर्ड टीम के सदस्य निश्चल बारोट ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि इस साल 6,06569 दीयों को जलाया गया था,

जो कि पिछले साल के सरयू नदी पर 4,04126 दीयों के रेकॉर्ड से कहीं ज्यादा था। चौथे दीपोत्सव को दिव्य और भव्य बनाने की जिम्मेदारी अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद ने निभाई। 8,000 से अधिक स्वयंसेवकों को सौंपी जिम्मेदारी

टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए अवध विश्वविद्यालय दीपोत्सव के नोडल अधिकारी परेश पांडे ने बताया कि हमने साकेत कॉलेज, अवध विश्वविद्यालय के 8,000 से अधिक स्वयंसेवकों और गैर सरकारी संगठनों के सदस्यों को नए रेकॉर्ड हासिल करने के लिए तैनात किया। सीएम योगी ने अयोध्या के लोगों को दी बधाई

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने एक प्रदूषण मुक्त डिजिटल दिवाली का आयोजन करके एक मिसाल कायम की है। सीएम ने दीपोत्सव का नया रेकॉर्ड कायम करने के लिए राम भक्तों और सभी अयोध्यावासियों को बधाई दी और कहा कि अगले साल यह रेकॉर्ड भी पीछे छूट जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे यह भी जाहिर होता है कि किस प्रकार प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाई जा सकती है। इसके लिए भी अयोध्यावासियों को बधाई दी जानी चाहिए।

सामूहिक भागीदारी किसी भी त्योहार को और भी खुशियों से भर देती है तथा संपूर्ण विश्व का ध्यान उसकी तरफ जाता है। अयोध्या में दीपोत्सव, C M योगी ने उतारी राम-लक्ष्मण और मां सीता की आरती सीएम और राज्यपाल ने की सरयू नदी पर आरती इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और राज्य सरकार के अनेक मंत्रियों ने सरयू नदी की आरती की। कोविड-19 प्रोटोकॉल की वजह से नया घाट पर विभिन्न आरती स्थल बनाए गए। दीपोत्सव में शिरकत करने के लिए अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले श्री राम जन्मभूमि मंदिर जाकर रामलला के दर्शन किए। इस मौके पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कई ट्रस्टी भी मौजूद थे।

इंडियन आर्मी ने जवाबी कार्रवाई में पाक के 11 सैनिक मारे तो ऐसे तिलमिलाया पाकिस्तान, भारतीय राजनयिक को किया तलब

पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा एलओसी पर सीजफायर का उल्लंघन करने के दौरान भारत के 4 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए। इसके तुरंत बाद भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया और उसके न सिर्फ 11 सैनिक मार गिराए बल्कि कई बंकर और लॉन्च पैड तबाह कर दिए।

सूत्रों की मानें तो भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के 16 सैनिक भी घायल हैं। भारतीय सेना के इस एक्शन से पाकिस्तान तिलमिला गया है और उसने भारतीय राजनयिक को समन भेजा है। पाकिस्तान ने पहले खुद नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ कराने के मकसद से सीजफायर का उल्लंघन किया और भारतीय सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाया, मगर जब भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया तो तिलमिला गया और भारतीय उच्चायोग के एक वरिष्ठ राजनयिक को तलब किया। बताया जा रहा है कि भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री एमएम कुरैशी आज प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

सूत्रों की मानें तो भारतीय सेना ने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर टैंक रोधी निर्देशित मिसाइलों और तोपों से पड़ोसी देश के कई ठिकानों को निशाना बनाया। इससे पहले पाकिस्तानी सैनिकों ने उत्तरी कश्मीर में कई स्थानों पर भारी गोलीबारी की जिसमें चार सुरक्षाकर्मियों सहित दस लोगों की मौत हो गई।

भारतीय सेना द्वारा जारी किए गए कई वीडियो में दिख रहा है कि एलओसी के पार कई पाकिस्तानी ठिकानों और बंकरों को नष्ट कर दिया गया। उनमें से कुछ भारतीय जवाबी कार्रवाई के बाद आग की लपटों में घिर गए। सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के सुने गए संचार के अनुसार मृतकों में स्पेशल सर्विस ग्रुप के दो कमांडो भी शामिल हैं। पाकिस्तान सेना के कई बंकर, ईंधन के ढेर और आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया गया।

सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान ने डावर, केरन, उरी और नौगाम में अकारण संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। पाकिस्तान ने मोर्टार और अन्य हथियारों का इस्तेमाल किया तथा जान-बूझकर असैनिक क्षेत्रों को निशाना बनाया।

किलर डॉल्फिन की सेना बना रहा उत्तर कोरिया का सनकी तानाशाह किम जोंग उन, मचाएंगी तबाही

उत्तर कोरिया (North Korea) का सनकी तानाशाह किम जोंग उन महाविनाशक मिसाइलें और परमाणु बम बनाने के बाद अब किलर डॉल्फिन (Dolphins) की सेना बनाने में जुट गया है। उत्तर कोरिया अब अमेरिका की तर्ज पर डॉल्फिन मछलियों को बारुदी सुरंगों को नष्ट करने और दुश्मन के गोताखोरों को मार गिराने क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सैटलाइट से मिली तस्वीरों के आधार पर विशेषज्ञों ने कहा है कि उत्तर कोरिया अपनी नौसेना के लिए डॉल्फिन सेना तैयार कर रहा है। इन डॉल्फिन को नांपो नेवल बेस पर देखा गया है। आइए जानते हैं किम जोंग उन की डॉल्फिन सेना के बारे में सबकुछ.... डॉल्फिन फौज से नेवी को आधुनिक बना रहा किम जोंग उन यूनाईटेड स्टेट नेवल इंस्टीट्यूट को मिली तस्वीरों के आधार पर कहा जा रहा है कि उत्तर कोरिया का नेवल मरीन मैमल प्रोग्राम अक्टूबर 2015 में शुरू हुआ था। डॉल्फिन को प्रशिक्षण देने के अड्डे को पहली बार एक शिपयार्ड के भूरे रंग के पानी में देखा गया था। यही पर कोयला चढ़ाया जाता है। इसके पास में ही युद्धपोत भी थे। अक्टूबर 2016 में एक और प्रशिक्षण ठिकाना नांपो में सामने आया। माना जा रहा है कि इस स्थान पर डॉल्फिन को पैदा किया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डॉल्फिन सेना बनाने का कार्यक्रम किम जोंग उन के नेवी को आधुनिक बनाने की योजना का हिस्सा है।

डॉल्फिन सेना तैयार करने में महारत रखता है अमेरिका

अमेरिका की नौसेना डॉल्फिन मछलियों को जंग लड़ने का प्रशिक्षण देने में महारत रखती है। ये मछलियां बारुदी सुरंगों की पहचान करने और तारपीडो की पहचान करने में सक्षम हैं। इन मछलियों के जरिए दुश्मन के गोताखोरों की पहचान करके उन पर हमला किया जा सकता है। अमेरिका ने अपने नेवल बेस सैन डियागों में लंबे समय से डॉल्फिन मछलियों और सी लॉयन को प्रशिक्षण दे रहा है। इन्हें वियतनाम और फारस की खाड़ी में तैनात भी किया गया है। अभी तक केवल रूस ही इस क्षेत्र में अमेरिका को टक्कर दे पाया है। रूस ने आर्कटिक और काला सागर में बेलुगा व्हेल मछलियों, डॉल्फिन और सील को तैनात कर रखा है।

मछलियों में सबसे बुद्धिमान होती हैं डॉल्फिन

सैटलाइट तस्वीरों के मुताबिक उत्तर कोरिया की ओर से बनाया गया बाड़ा डॉल्फिन मछलियों के लिए है। इसे उत्तर कोरिया के मछली पकड़ने के फॉर्म के पास बनाया गया है। उत्तर कोरिया अपनी राजधानी प्योंगयांग में भी डॉल्फिन मछलियों को प्रशिक्षण देता है। बता दें कि रूस दुनिया की सबसे बुद्धिमान मछलियों में शुमार डॉल्फिन के सहारे युद्ध जीतने में लग गया है। रूस ने गृहयुद्ध से जूझ रहे सीरिया में अपनी पनडुब्बियों के साथ प्रशिक्षित डॉल्फिन मछलियों को भी तैनात किया है। रूस की नौसेना ने अमेरिका के जवाब में 1990 के दशक में मरीन मैमल प्रॉजेक्ट शुरू किया था। रूस के इस प्रॉजेक्ट ने उस समय दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा जब बेलुगा नाम व्हेल मछली अप्रैल 2019 में नार्वे पहुंची। इस व्हेल मछली को हवल्दीमीर नाम दिया गया था। यह व्हेल मछली रूस की नौसेना के ट्रेनिंग प्रोग्राम से बचकर निकली थी।

बेहद खुफिया मिशन को अंजाम दे सकती हैं डॉल्फिन

उधर, रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इन डॉल्फिन को ऐसे ट्रेंड किया गया है कि वे समुद्र की सतह पर गिरी किसी चीज को ढूढ़ निकाल लाती हैं। साथ ही खुफिया मिशन को अंजाम दे सकती हैं। सीरिया में तैनात डॉल्फिन को क्रीमिया के पास काला सागर में स्थित सेवास्तोपोल अड्डे से भेजा गया है। यह भी संभावना है कि ये सील भी हो सकते है लेकिन ज्यादा संभावना डॉल्फिन की है। रूसी नौसेना का एक और मरीन मैमल प्रोग्राम आर्कटिक क्षेत्र में चल रहा है। बेलुगा व्हेल मछलियां डॉल्फिन की तुलना में बड़ी और धीमी रफ्तार से चलती हैं। लेकिन ये मछलियां आर्कटिक के बर्फीले पानी में ज्यादा कारगर हैं। घातक सील किसी भी गोताखोर के हमले का करारा जवाब देने में सक्षम हैं।

भूपेन्द्र यादव को बनाया गया भाजपा किसान मोर्चा का प्रभारी, तरुण चुग संभालेंगे युवा मोर्चा

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को महासचिव भूपेंद्र यादव को पार्टी के किसान मोर्चा का प्रभारी नियुक्त किया। साथ ही उन्होंने नवनियुक्त महासचिवों तरुण चुग और दुष्यंत गौतम को क्रमश: युवा मोर्चा और महिला मोर्चा का प्रभारी बनाया।

पार्टी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक पार्टी महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री डी पुरंदेश्वरी अल्पसंख्यक मोर्चा की प्रभारी होंगी। नवनियुक्त महासचिव सीटी रवि को अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रभारी और दिलीप सैकिया को अनुसूचित जनजाति मोर्चा को प्रभारी बनाया गया है।

पार्टी ने महासचिव व ओडिशा के पूर्व प्रभारी अरुण सिंह को अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रभारी नियुक्त किया है। चुग की नियुक्ति से पहले पूर्व पार्टी महासचिव मुरलीधर राव के पास युवा मोर्चा की जिम्मेदारी थी जबकि प्रभारी के रूप में महिला मोर्चा की जिम्मेदारी डी पुरंदेश्वारी संभाल रही थीं। भूपेंद्र यादव के पास अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रभार था।

नड्डा ने अपनी नवगठित टीम में कर्नाटक के युवा सांसद तेजस्वी सूर्या को युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया था जबकि वनती श्रीनिवासन को महिला मोर्चा की जिम्मेदारी सौंपी थी। नड्डा ने अपनी नयी टीम में जमाल सिद्दीकी को अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

अजित आगरकर ने चुनी अपनी IPL 2020 की टीम, इन दो बड़े नामों को नहीं दी जगह

इंडियन प्रीमियर लीग का 13वां सीजन समाप्त हो चुका है। मुंबई इंडियंस की टीम ने फाइनल मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 5 विकेट से हराकर आईपीएल के खिताब को पांचवीं बार अपने नाम किया। रोहित की कप्तानी मे खेली रही मुंबई इंडियंस अपने टाइटल को डिफेंड करने में भी कामयाब रही।
टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी प्रदर्शन के आधार पर आईपीएल 2020 की अपनी टीम चुन रहे हैं। आकाश चोपड़ा और वीरेंद्र सहवाग के बाद अब पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अजित आगरकर ने इस सीजन की अपनी टीम चुनी है।
स्टार स्पोर्ट्स द्वारा यूट्यूब पर शेयर की गई वीडियो मे अजित आगरकर ने अपनी आईपीएल की टीम का जिक्र किया है। आगरकर ने ओपनर के तौर पर अपनी टीम में डेविड वॉर्नर को शिखर धवन को रखा है, जबकि तीसरे नंबर पर उन्होंने विराट कोहली को ना रखते हुए मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज ईशान किशन को अपनी टीम में शामिल किया है।
पूर्व तेज गेंदबाज ने चौथे नंबर सूर्यकुमार यादव और पांचवें नंबर पर बैंगलोर के धाकड़ बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को अपनी टीम में जगह दी है। आगरकर ने दो ऑल-राउंडर के रूप में मार्कस स्टोयनिस और हार्दिक पांड्या को अपनी टीम में रखा है। तेज गेंदबाज के तौर पर उन्होंने पर्पल कैप विनर कगीसो रबाडा और जसप्रीत बुमराह को शामिल किया है, जबकि स्पिन गेंदबाजी में आगरकर ने अपनी टीम में राशिद खान के ऊपर युजवेंद्र चहल को तरजीह दी है और दूसरे स्पिनर के तौर पर कोलकाता नाइटराइडर्स के वरुण चक्रवर्ती को अपनी टीम में जगह दी है। हालांकि, अजित आगरकर ने इस वीडियो के अंदर अपनी टीम के कप्तान का नाम नहीं बताया है। आगरकर की इस टीम में विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे टी20 सुपरस्टार खिलाड़ी शामिल नहीं है, जबकि पूर्व तेज गेंदबाज ने ट्रेंट बोल्ट और जोफ्रा आर्चर जैसे गेंदबाजों को भी अपनी टीम में स्थान नहीं दिया है।
आगरकर से पहले सहवाग ने अपनी टीम चुनी थी और उन्होंने भी विराट कोहली और रोहित को जगह नहीं दी थी। अजित आगरकर की आईपीएल 2020 टीम - डेविड वॉर्नर, शिखर धवन, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, एबी डिविलियर्स, हार्दिक पांड्या, मार्कस स्टोयनिस, जसप्रीत बुमराह, कगीसो रबाडा, युजवेंद्र चहल, वरुण चक्रवर्ती

आकाश चोपड़ा ने गौतम गंभीर से पूछा सवाल, क्या RCB के कप्तान होने पर इतनी ट्रॉफी जीत पाते रोहित

आईपीएल 2020 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खराब प्रदर्शन के बाद भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने विराट कोहली की कप्तानी पर सवाल उठाए थे और उनको आरसीबी की कप्तानी से हटाने तक की बात कह दी थी। गंभीर ने रोहित शर्मा की तारीफ की थी और उनको भारतीय टी20 टीम की कप्तानी सौंप देने की सलाह दे डाली थी। इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन में बैंगलोर की टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था और टीम एलिमिनेटर मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। गौतम गंभीर द्वारा दिए गए बयान पर पूर्व बल्लेबाज और हिंदी कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने सवाल खड़े किए हैं और विराट कोहली का पक्ष लिया है।
आकाश चोपड़ा ने फेसबुक पर वीडियो में गौतम गंभीर से उनके बयान पर सवाल पूछते हुए कहा, 'गौतम गंभीर को लगता है कि रोहित शर्मा को भारतीय टी20 टीम का कप्तान ना बनाया जाना देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि रोहित आईपीएल के सबसे सफल कप्तान हैं। लेकिन, मेरा एक सवाल है कि क्या अगर रोहित शर्मा को आरसीबी की टीम दी जाती, जो कि विराट कोहली के पास थी, तो क्या वो मुंबई की तरह पांच टाइटल में से दो या तीन या चार टाइटल जीत पाते? रोहित कप्तान के तौर पर लाजवाब हैं। मुझे वो पसंद है, लेकिन क्या मुंबई इंडियंस की सफलता भारत के बराबर है? यह मेरा सवाल है। सिर्फ अगर कोहली की टीम बढ़िया नहीं करती हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि इसमें कोहली की गलती है।' रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस इस सीजन अपनी टाइटल को डिफेंड करने में कामयाब रही थी। मुंबई ने फाइनल मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम को 5 विकेट से हराया था। रोहित ने फाइनल मैच में 68 रनों की शानदार पारी खेली थी। मुंबई अबतक आईपीएल के खिताब को पांच बार अपने नाम कर चुकी है।

धोनी को लेकर संजय बांगर का बड़ा बयान, कहा- IPL 2021 में नहीं करेंगे चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी

टीम इंडिया के पूर्व बैटिंग कोच संजय बांगर ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि धोनी अगले साल चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी को छोड़कर बतौर खिलाड़ी आईपीएल में खेल सकते हैं। धोनी की कप्तानी में इस साल यूएई में खेले गए आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा था और टीम पहली दफा प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही थी। धोनी इस सीजन बल्ले से भी कुछ खास नहीं कर सके थे। संजय बांगर ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टिड में कहा, 'जहां तक मैं जानता हूं, 2011 के बाद धोनी ने टीम इंडिया की कप्तानी को छोड़ने का सोचा था, लेकिन वो जानते थे कि उसके बाद टीम के कुछ मुश्किल मैच आने वाले थे और हमको इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जाना था। इसके साथ ही, उस समय कोई भी खिलाड़ी कप्तान के तौर पर तैयार नहीं था। उन्होंने सही समय पर टीम इंडिया की कप्तानी विराट कोहली को सौंप दी थी और उसके बाद खेले थे। जहां तक मैं समझता हूं, मुझे फील हो रहा है कि महेंद्र सिंह धोनी अगले साल टीम के कप्तान नहीं होंगे, वो एक खिलाड़ी के तौर पर खेलेंगे और इस स्टेज पर धोनी कप्तानी फैफ डुप्लेसी को सौंप देंगे।' भारत के पूर्व बैटिंग कोच ने आगे कहा, 'क्योंकि अभी के समय में, चेन्नई के पास कप्तानी के लिए कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है और टीम से बाहर ऑक्शन या ट्रेडिंग में कोई भी टीम ऐसे खिलाड़ी को रिलीज नहीं करेगी, जिसके अंदर चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करने की काबिलयत हो।' धोनी ने आईपीएल 2020 के चेन्नई सुपर किंग्स के आखिरी मैच में टॉस के दौरान इस बात को स्पष्ट कर दिया था कि यह उनका आखिरी सीजन नहीं है और वो आईपीएल 2021 में भी येलो आर्मी की तरफ से खेलते दिखाई देंगे।

सीमा पर तनाव के बीच चीन का नया पैंतरा, पूर्वी लद्दाख से पहले भारत हटाएगा सैनिक

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद की वजह से पैदा हुआ तनावपूर्ण माहौल एक सहमति के जरिए कम होता दिखाई दे रहा है, क्योंकि दोनों देश अपनी-अपनी सेना को पीछे करने पर लगभग सहमत हो गए हैं। मगर चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने जो दावा किया है, उससे यह मामला फिर से उलझ सकता है। पूर्वी लद्दाख में तनावपूर्ण माहौल को कम करने की कवायदों के बीच चीन ने एक नया पैंतरा चला है और दावा किया है कि पूर्वी लद्दाख से पहले भारत अपने सैनिकों को हटाएगा।
ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया है कि चीन और भारत के बीच सेना और हथियारों को पीछे हटाने पर सहमति हो गई है और दोनों ही देश जल्द ही पारस्परिक सिद्धांत के तहत बारी-बारी से सीमा विघटन योजना यानी सैनिकों को हटाने की योजना का लागू कर देंगे। ग्लोबल टाइम्स ने यह भी दावा किया कि सेना को हटाने की योजना के मुताबिक, संघर्ष वाले बिंदू से सबसे पहले भारत को अपनी सेना को हटाना होगा। इसके बाद ही चीन अपनी सेना को पीछे हटाने पर विचार करेगा।
अज्ञात सूत्र का हवाला देते हुए सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी पीपुल्स के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने कहा, 'भारत को सबसे पहले अपनी सेना को हटाना चाहिए, क्योंकि भारत ने अपनी सेना को सबसे पहले अवैध तरीके से पैंगोंग झील के दक्षिणी किनारे पर भेजा था। इसके बाद ही चीन उत्तरी छोर पर सेना हटाने पर विचार करेगा।' बता दें कि ऐसी खबर है कि दोनों देशों के बीच डिस-एंगेजमेंट को लेकर बनी सहमति के बाद दोनों पक्ष अप्रैल-मई महीने के बाद पैंगोंग झील इलाके में बने सभी नए ढांचे को ध्वस्त करने जा रहे हैं। इसके अलावा, फिंगर 4 से लेकर फिंगर 8 के इलाके में कोई भी देश पैट्रोलिंग नहीं करेगा।
जब ग्लोबल टाइम्स की इस रिपोर्ट पर हिन्दुस्तान टाइम्स ने चीनी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया लेनी चाही, तो उन्होंने इस पर कोई जवाब नहीं दिया। चीनी की सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स द्वारा रिपोर्ट किए गए दावे पर नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास से कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। मगर भारत ने कूटनीतिक और सैन्य वार्ता के शुरुआती दौर के बाद ही यह स्पष्ट कर दिया था कि सीमा विवाद को गहराने और उकसाने वाले सबसे पहले चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सैनिक थे, इसलिए भारतीय सैनिक पहले अपने कदम पीछे नहीं करेंगे।
शुक्रवार को प्रकाशित ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट एक दिन पहले प्रकाशित पिछली रिपोर्ट का अपडेटेड वर्जन था। शुक्रवार को ग्लोबल टाइम्स ने भारतीय मीडिया में आई दोनों सेना के पीछे हटने पर बनी सहमति वाली खबर का खंडन किया था। उसने दावा किया कि भारतीय मीडिया में आई इस तरह की खबरें गलत हैं। बता दें कि दो परमाणु शक्तियों वाले देश चीन और भारत पिछले पांच-छह महीने से सीमा विवाद को लेकर उलझे हुए हैं और इसी की वजह से सीमा पर तनाव जारी है। सीमा पर तनाव कम करने के लिए अब तक कई दौर की कूटनीतिक और सैन्य वार्ता विफल रही है।
हालांकि, भारतीय अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दोनों पक्ष लद्दाख में तनाव को कम करने के लिए एक व्यापक विघटन योजना के हिस्से के रूप में संवेदनशील पैंगोंग त्सो इलाके में सैनिकों और सैन्य उपकरणों की चरणबद्ध वापसी के प्रस्ताव पर विचार कर रहे थे। अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ता है, तो यह चार महीनों से अधिक समय से जारी वार्ता में पहला महत्वपूर्ण कदम होगा। गालवान घाटी में जुलाई की शुरुआत में विघटन हुआ, मगर इसका असर तनाव वाले अन्य क्षेत्रों में नहीं दिखा।

अमेरिका में कोरोना वायरस ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 24 घंटे में 1.77 लाख से अधिक नए मामले

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में पिछले 24 घंटों के दौरान इसके संक्रमण के रिकॉर्ड 1.77 लाख से अधिक नए मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या 1.07 करोड़ को पार कर गई है। यह एक दिन में अमेरिका में सामने आए कोरोना के नए मामलों का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। अमेरिका के दैनिक समाचार पत्र वाशिंगटन पोस्ट ने शुक्रवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।
अमेरिका के सभी 50 प्रांत कोरोना से बुरी तरह प्रभावित हैं और प्रत्येक प्रांत में कोरोना के नये मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है।
अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या 244217 पहुंच गई है जबकि संक्रमितों की संख्या 10714001 हो गई है।
अमेरिका का न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी और कैलिफोर्निया प्रांत कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित है। अकेले न्यूयॉर्क में कोरोना संक्रमण के कारण 33993 लोगों की मौत हुई है। न्यूजर्सी में अब तक 16522 लोगों की इस महामारी के कारण मौत हो चुकी है। कैलिफोर्निया में कोविड-19 से अब तक 18172 लोगों की मौत हो चुकी है। टेक्सास में इसके कारण 19785 लोग अब तक अपनी जान गंवा चुके हैं जबकि फ्लोरिडा में कोविड-19 से 17445 लोगों की जान गई है। इसके अलावा मैसाचुसेट्स में 10 हजार से अधिक जबकि पेंसिल्वेनिया में कोरोना से 9210 लोगों की मौत हुई है।

हेडफोन जल्द बीते दिनों की बात होंगे, जानें कैसे

खाली समय में संगीत सुनने के शौकीन हैं? हालांकि, लंबे समय तक हेडफोन लगाए रखने से सिरदर्द की शिकायत सताने लगती है? अगर हां तो खुश हो जाइए। इजरायली कंपनी 'ऐट नोवेटो' ने 'साउंड बीमर' नाम का ऐसा डेस्कटॉप उपकरण बनाने का दावा किया है, जो संगीत की धुनों को सीधे यूजर के कानों तक पहुंचा सकेगा।
निर्माताओं के मुताबिक ब्लूटूथ से लैस 'साउंड बीमर' यूजर के कान की लोकेशन भांपने में सक्षम है। यह छोटे-छोटे अदृश्य बबल में कैद ध्वनि तरंगों को संबंधित दिशा में ही प्रसारित करता है, जिससे हेडफोन पहने बिना भी यूजर संगीत का लुत्फ उठा पाता है।
इतना ही नहीं, इस प्रक्रिया में आसपास बैठे लोगों को कोई असुविधा नहीं होती। वे बिना किसी शोरशराबे के बेफिक्र होकर अपना काम निपटा पाते हैं।'ऐट नोवेटो' की ओर से जारी बयान पर नजर डालें तो 'साउंड बीमर' अगले साल दिसबंर तक बाजार में उपलब्ध होगा। यह उपकरण 'साउंड बीमिंग' तकनीक पर आधारित है, जिसमें स्पीकर अल्ट्रासॉनिक ध्वनि तरंगों का प्रसार करता है, जो मनुष्य की श्रवण शक्ति के दायरे से बाहर हैं। यूजर को संगीत सुनाने के लिए उपकरण में 3-डी सेंसिंग मॉड्यूल लगा है, जो उसकी लोकेशन की जानकारी देता है। इस लोकेशन में ध्वनि तरंगें छोटे-छोटे बबल में तब्दील होकर यूजर के कानों तक पहुंचती हैं। उन्हें सामान्य श्रवणयोग्य तरंगों के रूप में सुना जा सकता है।चिप बनाने की कवायद तेज निजी अंतरिक्ष फर्म 'स्पेसएक्स' के सीईओ एलन मस्क 'न्यूरालिंक' नाम की ऐसी कंप्यूटर चिप के निर्माण की कोशिशों में जुटे हैं, जो संगीत की धुनों को सीधे मस्तिष्क में प्रसारित करने में सक्षम होगी। यानी गाने सुनने के लिए यूजर को हेडफोन या ईयरफोन लगाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। मस्क के मुताबिक 'न्यूरालिंक' बारीक तारों से बनी एक इंच लंबी कंप्यूटर चिप होगी। इसे मामूली सर्जरी के जरिये मस्तिष्क में प्रतिरोपित किया जाएगा। चिप ब्लूटूथ की मदद से स्मार्टफोन से जुड़ेगी या फिर वाईफाई के जरिये, फिलहाल यह साफ नहीं है। हालांकि, यह फोन में बजने वाले संगीत को जरूर सीधे दिमाग तक पहुंचा सकेगी।

सलमान खान के सामने फिर हुआ कविता कौशिक और एजाज खान का झगड़ा, गुस्से में देखते रहे एक्टर

बिग बॉस 14 के वीकेंड का वार में खूब हंगामा होने वाला है। शो का प्रोमो सामने आया है जिसमें दिखाया गया है कि कविता कौशिक, सलमान खान से एजाज की शिकायत करती हैं। वीडियो की शुरुआत होती है सलमान खान की धमाकेदार परफॉर्मेंस से। इसके बाद कविता कौशिक, सलमान से एजाज खान की शिकायत करती हैं। कविता कहती हैं, एक बात मरी जो मेरे पहले वीकेंड पर आपको पसंद नहीं थी वो थे मेरे अपशब्द। कल सुबह एजाज ने वही अपशब्द मुझे कहे हैं। कविता फिर कहती हैं, इन्हें देखें सर। ये मुझे बोलने भी नहीं देते हैं और जब मैं गुस्से में बोल देती हूं तो मुझे बदनाम कर दिया जाता है।

कविता फिर सलमान से पूछती हैं, इन्हें देखिए सर, क्या इन्हें सजा नहीं मिलनी चाहिए?

सलमान गुस्से में दोनों को देखते रहते हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा गया है, 'आज रात देखिए कैसे बढ़ती जा रही है कविता कौशिक और एजाज खान के बीच की तकरार। क्या हो पाएगा दोनों का झगड़ा खत्म?'

इससे पहले बीते एपिसोड में बिग बॉस के घर में जेल जैसे 2 पिंजरे आए। इसके बाद बिग बॉस कहते हैं,

खाली पिंजरो की शोभा बढ़ाने के लिए आज आपको 2 ऐसे सदस्यों का चुनाव करना है जिन्हें आप उनके व्यवहार और प्रदर्शन के लिए दंडित करके पिंजरे में बंद करना चाहते हैं।

कविता कौशिक, एजाज खान और पवित्रा पुनिया का नाम लेती हैं। वह कहती हैं दोनों लव बर्ड्स को पिंजरे में डालना चाहिए। इसके बाद एजाज और कविता के बीच बहस हो जाती है।

अमिताभ बच्चन से लेकर मनोज बाजपेयी तक, इन सेलेब्स ने फैन्स को दी दिवाली की बधाई

देशभर में आज धूमधाम से दिवाली का त्योहार सेलिब्रेट किया जा रहा है। इस खास मौके पर बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सेलेब्स ने अलग-अलग अंदाज में अपने फैन्स दीपावली की बधाइयां दी हैं। इसमें अमिताभ बच्चन, दिलजीत दोसांझ, मनोद बाजपेयी, करण जौहर समेत तमाम सितारे शामिल हैं। अमिताभ बच्चन ने जया बच्चन और नन्हीं श्वेता बच्चन के साथ पुरानी फोटो शेयर की है जिसमें तीनों फुलझड़ी जला रहे हैं। बिग बी ने कैप्शन में लिखा, 'दीपावली की अनेक बधाई व शुभकामनाएं! सुख शांति समृद्धि और अपार स्नेह।' इसके अलावा उन्होंने अयोध्या के दीपोत्सव की भी फोटो शेयर की है। फोटो के साथ उन्होंने लिखा, 'हैप्पी दिवाली।' करण जौहर ने भी ट्विटर पर पोस्ट शेयर कर लिखा, 'आप सभी को दीपावली की शुभकामनाएं।' सोहा अली खान ने पति कुणाल खेमू और बेटी इनाया की फोटो शेयर की है। उन्होंने लिखा, 'मेरे तुम्हारे सबके लिए हैप्पी दिवाली।' तस्वीर में इनाया फुलझड़ी जलाती नजर आ रही है।

दीपिका पादुकोण ने पति रणवीर सिंह के साथ शेयर की फोटो, कहा- तुम मुझे पूरा करते हो

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की आज शादी की दूसरी सालगिरह है। इस मौके पर दीपिका ने रणवीर के साथ फोटोज शेयर कर उनके लिए स्पेशल मैसेज लिखा है। दीपिका और रणवीर ने फ्लावर प्रिंट आउटफिट पहने हैं। दीपिका ने फोटोज शेयर कर लिखा, 'एक फली में दो मटर। हैप्पी एनिवर्सरी...तुम मुझे पूरा करते हो।'

बता दें कि दीपिका और रणवीर ने 14 नवंबर 2018 को इटली में शादी की थी। दोनों ने सिंधी और कोंकणी रीति रिवाज से शादी की थी।

रणवीर ने कहा था- दीपिका को इम्प्रेस करने में बहुत मेहनत की थी

रणवीर ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'दीपिका को इम्प्रेस करने में मैंने बहुत मेहनत की। शादी से पहले भी मैं दीपिका के प्रति अपने प्यार को जाहिर करने से शर्माता नहीं था। उसकी केयर करता था।'

रणवीर ने बताया कि दीपिका से मिलने के छह महीने बाद ही उन्होंने तय कर लिया था कि वह उनसे शादी करेंगे। हालांकि उन्हें पता था कि दीपिका को पटाना इतना आसान नहीं है। रणवीर ने कहा था कि मुझे पता था कि दीपिका को फूल बहुत पसंद हैं तो जब भी वह शूट से आती थीं तो मैं उनके लिए फूल लेकर जाता था।अगर वह कहीं दूर शूट करती थीं तो मैं वहीं फूल लेकर चला जाता था। 6 महीने की डेटिंग में ही मुझे पता लग गया था कि दीपिका मेरे लिए बनी हैं और उन्हें अपनी लाइफ में बनाए रहने के लिए मैं हमेशा कोशिश करता था कि उन्हें खुश रखूं।'

बताते चलें कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने रामलीला, पद्मावत और बाजीराव मस्तानी जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। इनकी प्रेम कहानी रामलीला के दौरान से शुरू हुई थी। दीपिका और रणवीर दोनों फिल्म 83 में साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में रणवीर, कपिल देव का किरदार निभा रहे हैं। वहीं दीपिका फिल्म में कपिल देव की पत्नी रोमी का किरदार निभाने वाली हैं।

अक्षय कुमार ने दिवाली पर फिल्म राम सेतु का किया ऐलान, सामने आया एक्टर का दमदार फर्स्ट लुक

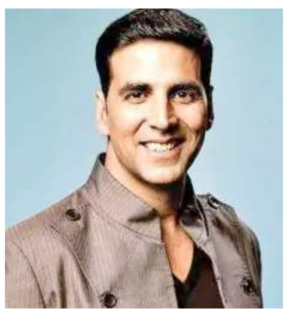

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म लक्ष्मी की रिलीज की एक हफ्ता भी नहीं हुआ है और उन्होंने अपनी नई फिल्म की घोषणा कर दी है। अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म का नाम है- राम सेतु। इस फिल्म में वह लीड भूमिका में नजर आएंगे। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया है। अक्षय कुमार काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। उन्होंने ग्रेट शर्ट और ब्लैक कार्गो पैन्ट पहन रखा है। इसके साथ ही उन्होंने गले में ऑरेंज कपड़ा लपेट रखा है। पोस्टर में अक्षय कुमार के पीछे भगवान राम की एक बड़ी फोटो नजर आ रही है। अक्षय कुमार के इस लुक को बहुत पसंद किया जा रहा है।

एक्टर ने पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, इस दीपावली भारत राष्ट्र के आदर्श और महानायक भगवान श्री राम की पुण्य स्मृतियों को युगों- युगों तक भारत की चेतना में सुरक्षित रखने के लिए एक ऐसा सेतु बनाए जो आने वाले पीढ़ियों को राम से जोड़ कर रखे। इसी प्रयास में हमारा भी एक छोटा संकल्प है- राम सेतु। आप सबको दीपावली की शुभ कामनाएं।

दिवाली पर कंगना रनौत ने भाभी का घर पर किया स्वागत, फैन्स ने दी बधाई

कंगना रनौत ने फैन्स को दिवाली की बधाई दी है। इसके साथ ही कंगना ने अपनी भाभी का स्वागत भी किया है। बता दें कि हाल ही में कंगना के भाई की उदयपुर में शादी हुई है। शादी के बाद कंगना ने अब घर में अपनी भाभी का स्वागत किया है। कंगना ने फोटोज शेयर करते हुए लिखा, दीपावली के दिन महालक्ष्मी घर आती है, हमारे घर भी देवी आ रही है। आज हमारी भाभी पहली बार अपने घर आ रही है इस रस्म को अंदरेरा कहते हैं। सबको दीपावली की शुभकामनाएं। कंगना और घर के सभी सदस्य ट्रेडिशनल आउटफिट में नजर आ रहे हैं। कंगना की भाभी लाल जोड़े में बैठी हैं। कंगना ने शादी पर खर्च किए करोड़ों रुपये

कंगना रनौत ने भाई की शादी की पूरी जिम्मेदारी ली और इसके लिए उन्होंने करोड़ों रुपये खर्च किए हैं। कंगना की बहन रंगोली ने इसकी जानकारी दी है। रंगोली ने लिखा, मैं कई सुपरस्टार्स को जानती हूं जो अपनी शादी ऐसी शाही डेस्टिनेशन पर करते हैं। लेकिन मैं किसी ऐसे को नहीं जानती जिसने अपने भाई/बहन के लिए ऐसा किया हो जैसा कंगना ने किया है। कंगना ने ना सिर्फ करोड़ों रुपये खर्च कर दिए बल्कि 1 साल से हर छोटी डिटेल पर लगातार काम किया। कंगना में बहुत कुछ है लेकिन दुख की बात है कि लोग उनके तेज और निडर साइड पर ही फोकस करते हैं। अपने आसपास के लोगों में घुलमिल जाना उनका प्यारा स्वभाव उनकी सबसे बड़ी ताकत है... इमोशनल फील कर रही हूं, बहुत इमोशनल फील कर रही हूं।

बता दें कि भाई की शादी में कंगना ने गुजराती बंधनी लहंगा पहना जिसे बनाने में 14 महीने लगे। एक्ट्रेस ने खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। कंगना ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, वो सभी जो मेरे लहंगे के बारे में पूछ रहे थे। यह एक गुजराती बंधनी लहंगा है जिसे तैयार करने में करीब 14 महीने लगे हैं। इस लहंगे में जबरदस्त कला दिखी है। डिजाइनर अनुराधा वकील ने इस सपने को साकार किया और मेरे दोस्त सब्यासाची ने मेरे लिए ज्वैलरी डिजाइन की।

45 की उम्र में मां बनने पर शिल्पा शेट्टी बोलीं- मुझमें हिम्मत है

शिल्पा शेट्टी इसी साल एक बेटी की मां बनी हैं। शिल्पा का 8 साल का बेटा वियान भी है। हाल ही में शिल्पा ने अपने मदरहुड एक्सपीरियंस को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि 45 की उम्र में मां बनने पर उनका कैसा रिएक्शन था।

शिल्पा ने नेहा धूपिया के शो नो फिल्टर में कहा, 'योगा की वजह से मुझमें काफी बदलाव आए हैं। मुझे याद है कि जब वियान हुआ था और मैं पहली बार मां बनी थी तब काफी अलग एहसास था। उस वक्त काफी मुश्किलें आईं, लेकिन अब चीजें काफी आसान लगती हैं।'

शिल्पा ने आगे कहा, 'मुझमें गट्स हैं कि 45 की उम्र में मैं दूसरे बच्चे की मां बनी। जब मैं 50 साल की हो जाऊंगी तब शमिशा 5 साल की हो जाएंगी। मैं दूसरों की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। मैं एक मां होने के नाते जो कर सकती हूं उसमें अपना बेस्ट देती हूं।'

सरोगेसी के जरिए हुई बेटी

कुछ दिनों पहले शिल्पा ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'वियान के बाद मैं लंबे समय से एक दूसरे बच्चे की प्लानिंग कर रही थी। लेकिन मैं एक ऑटो इम्यून बीमारी APLA से जूझ रही थी, जिसने मेरी प्रेग्नेंसी के दौरान अहम किरदार निभाया। इसकी वजह से मेरे कई मिसकैरेज हुए तो इसलिए यह मेरे लिए बड़ी समस्या थी।'

शिल्पा ने कहा था, 'मैंने अडोप्शन के बारे में सोचा। मैं नहीं चाहती थी कि वियान अकेले अपना बचपन गुजारें क्योंकि हम भी दो बहने हैं और मैं यह अच्छी तरह समझती हूं कि साथ में एक भाई या बहन का होना कितना जरूरी है। इस बारे में सोचते हुए मैंने कई आइडियाज पर फोकस किया। लेकिन कोई काम नहीं आया। अडोप्शन की सारी चीजें पूरी करने के बावजूद अचानक से क्रिश्चियन मिशिनरी बंद हो गया और मैं बच्चे को अडोप्ट नहीं कर पाई। मैंने इसके लिए चार साल इंतजार किया था लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। मुझे बहुत गुस्सा आया था और फिर हम दोनों ने सरोगेसी का रास्ता चुना।'

'लक्ष्मी' को मिले नेगेटिव रिएक्शन पर बोले अक्षय कुमार- जानता हूं कई क्रिटिक्स मेरी फिल्में नहीं करते पसंद

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म लक्ष्मी डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 9 नवंबर को रिलीज हो चुकी है। फिल्म में अक्षय के साथ कियारा आडवाणी लीड रोल में हैं। इस फिल्म को मिक्स रिव्यूज मिले हैं। इस पर अक्षय कुमार का कहना है कि उनका फोकस सिर्फ ऑडियंस पर ही होता है। उन्होंने बताया कि वह जानते हैं कि बहुत सारे क्रिटिक्स उनकी फिल्मों को पसंद नहीं करते हैं। बातचीत में अक्षय कुमार ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मैं जानता हूं कि कई क्रिटिक्स मेरी फिल्मों को पसंद नहीं करते हैं और मैं इसे समझता हूं लेकिन मेरा फोकस ऑडियंस पर होता है। मुझे बताया गया कि फिल्म को मेरे करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग मिली है। ट्रांसजेडर का किरदार निभाना एलजीबीटीक्यू कम्युनिटी के अधिकारों को मजबूत करना है। पैडमैन (2018), टॉयलेट: एक प्रेम कथा (2012), मिशन मंगल (2019) जैसी फिल्में करने की पीछे भी यही भावना थी। मैं बदलाव लाना चाहता हूं।' बता दें कि डिज्नी प्लस हॉटस्टार के मुताबिक, लक्ष्मी ने सभी फिल्मों के व्यूअरशिप रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। रिलीज होने के कुछ ही घंटों में यह व्यूअरशिप के मामले में बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर साबित हुई है। इस फिल्म ने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म 'दिल बेचारा' का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इसपर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अक्षय कुमार ने कहा था कि लक्ष्मी को जिस तरह से आप लोगों ने प्यार दिया और रिस्पॉन्स दिया, उसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूं। देश-दुनिया के लोगों ने डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर लॉगइन करके फिल्म देखी, वह भी इसके रिलीज के कुछ घंटों में, आप सभी की सराहना करता हूं। किसे रिकॉर्ड तोड़ना पसंद नहीं? फिर चाहे वह बॉक्स ऑफिस हो या ओटीटी प्लैटफॉर्म पर फिल्म की ओपनिंग नाइट, इस फीलिंग की तुलना किसी और चीज से नहीं की जा सकती है।

जूही चावला से शादी करना चाहते थे सलमान खान, जानें फिर क्यों नहीं बनी बात

जूही चावला का आज बर्थडे है। जूही ने जय मेहता से शादी की थी और आज वह उनके और दोनों बच्चों के साथ अपनी लाइफ एंजॉय कर रही हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सलमान, जूही को काफी पसंद करते थे और उनसे शादी भी करना चाहते थे। यहां तक की उन्होंने जूही के पिता से शादी की बात भी की थी।

सलमान ने अपने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था, 'जूही बहुत ही शानदार हैं। वह बहुत ही स्वीट हैं। मैंने तो उनके पापा से भी पूछा था कि क्या वह जूही की शादी मुझसे करांगे। उन्होंने मना कर दिया था।' बता दें कि जूही ने अपने करियर के पीक में यानी कि साल 1996 में जय मेहता से शादी की थी। हालांकि उस वक्त किसी को दोनों की शादी के बारे में नहीं पता चला था।

ड्रग्स केस में एनसीबी के ऑफिस पहुंचे अर्जुन रामपाल

ड्रग्स केस से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए अर्जुन रामपाल शुक्रवार को एनसीबी ऑफिस पहुंचे। इससे पहले रामपाल को केंद्रीय एजेंसी ने बुधवार को तलब किया था। एक अधिकारी ने बताया कि अर्जुन से हिंदी फिल्म उद्योग में ड्रग्स के प्रयोग से संबंधित मामले में पूछताछ की जाएगी। बता दें कि एनसीबी ने रामपाल की पार्टनर गैब्रिएला डेमेट्रायडिस से लगातार दो दिन पूछताछ की थी। एजेंसी ने अभिनेता के बांद्रा स्थित आवास पर सोमवार को तलाशी लेने के बाद रामपाल और गैब्रिएला को तलब किया था। उन्होंने लैपटॉप, मोबाइल फोन और टैबलेट इत्यादि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त करने के साथ ही रामपाल के वाहन चालक से भी पूछताछ की थी। कुछ समय पहले ड्रग केस में गैब्रिएला के भाई अगिसिलाओस को पुणे के लोनावला से गिरफ्तार किया गया था। NCB का दावा है कि अगिसिलाओस बॉलीवुड इंडस्ट्री में संचालित एक बड़े ड्रग सिंडिकेट का हिस्सा हैं, जो एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद गहन जांच का विषय बना है। अगिसिलाओस पर आरोप है कि वह पेडलर्स के लिए ड्रग सप्लाई करते थे। इसके साथ ही वह सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शौविक चक्रवर्ती के संपर्क में थे।

आयुष्मान खुराना पत्नी ताहिरा कश्यप से क्यों मेंटेन कर रहे हैं सोशल डिस्टेंसिंग? एक्टर ने शेयर किया मजेदार पोस्ट

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना सोशल मीडिया पर मजेदार पोस्ट शेयर करते रहते हैं। अब उन्होंने एक फोटो पोस्ट करते हुए बताया है कि वह पत्नी ताहिरा कश्यप से सोशस डिस्टेंसिंग मेंटेन कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह बात मजाकिया अंदाज में कही है।

तस्वीर में आयुष्मान खुराना और ताहिर कश्यप एक-दूसरे से दूर खड़े नजर आ रहे हैं।

आयुष्मान ने इस फोटो को अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर की है। इसमें आयुष्मान खुराना ब्लैक आउटफिट में नजर आ रहे हैं वहीं, ताहिरा ग्रे ड्रेस में काफी खूबसूरत लग रही हैं। आयुष्मान खुराना ने कैप्शन में लिखा, अपनी सगी बीवी से सोशल डिस्टेंसिंग कर रहा हूं आजकल। क्या दिन हैं ये? हमारी तरफ से छोटी दिवाली मुबारक। कुछ समय पहले ताहिरा ने इंस्टाग्राम पर सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर मजेदार पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने एक फोटो शेयर की थी जिसमें वह आयुष्मान के साथ सोफे पर बैठी हुई नजर आई। ताहिरा ने कैप्शन देते हुए लिखा, 'डेटिंग का पहला साल और हम उस समय भी सोशल डिस्टेंसिंग पर मजबूत विश्वास रखते थे।' हाल ही में आयुष्मान ने अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस मौके पर उनकी पत्नी ताहिरा कश्यप ने एक फोटो शेयर की, जिसमें आयुष्मान के चेहरे पर केक लगा है और वह साथ में खड़ी हैं। फोटो शेयर करते हुए ताहिरा ने लिखा, 'मेरे पास केक है जिसे मैं खा रही हूं, आयुष्मान खुराना, जन्मदिन मुबारक मेरे हमसफर।' बताते चलें कि इन दिनों आयुष्मान खुराना अपनी अपकमिंग फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी की शूटिंग कर रहे हैं। इसमें वह वाणी कपूर के साथ लीड रोल में हैं। फिल्म का निर्देशन अभिषेक कपूर कर रहे हैं।

आसिफ बसरा की मौत से दुखी हैं मनोज बाजपेयी

अभिनेता आसिफ बसरा की मौत की खबर से बॉलीवुड में शोक की लहर है। 53 वर्षीय अभिनेता अपने धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश के घर में मृत पाए गए थे। शुरुआती जांच में पता चला है कि उन्होंने आत्महत्या की है। उनकी इस आकस्मिक मौत ने सभी को दुखी कर दिया है। प्रियंका चोपड़ा, करीना कपूर खान, अनुष्का शर्मा समेत कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज ने उनकी मौत पर शोक जताया है। हाल ही में एक वेब पोर्टल को दिए इंटरव्यू में अभिनेता मनोज बाजपेयी ने दिवंगत अभिनेता को याद किया है। ई टाइम्स से बात करते हुए मनोज बाजपेयी ने कहा, "मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि आसिफ ने ऐसा क्यों किया। वह बहुत शांति से रह रहे थे।"

मीरा-भायंदर शहर में बनेगा `हिंदी भवन'... शिवसेना ने की वचनपूर्ति -प्रताप सरनाईक

मीरा-भायंदर में अब शीघ्र ही हिंदी भवन का निर्माण होगा। इसके निर्माण के लिए शिवसेना प्रवक्ता व विधायक प्रताप सरनाईक सतत प्रयत्नशील थे। बुधवार को मीरा-भायंदर मनपा की संपन्न हुई वर्चुअल (ऑनलाइन) महासभा में शिवसेना की गटनेता नीलम ढवण ने `हिंदी भवन' बनाये जाने का प्रस्ताव रखा था, जिसे शिवसेना के नगरसेवक व पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजू भोईर ने अनुमोदन दिया। मनपा में सत्ताधारी भाजपा के कुछ सदस्यों के विरोध के बावजूद आखिर इस प्रस्ताव को सर्व सम्मति से मंजूर कर लिया गया। नगरसेवक विक्रम प्रताप सिंह ने गुरुवार को प्रतिनिधिमंडल के साथ मनपा आयुक्त डॉ विजय राठौड़ से मुलाकात कर उनके द्वारा इस पुनीत कार्य के लिए किए गए सहयोग के प्रति आभार जताया है। प्रतिनिधिमंडल में शिवसेना के नगरसेवक राजू भोईर, वैâप्टन देवेंद्र चौबे, विद्याशंकर चतुर्वेदी आदि का समावेश था।

यहां बनेगा हिंदी भवन

मीरा-भायंदर के घोडबंदर गांव के सर्वे क्रमांक २१/१ व २४/१ की भूखंड पर करीब ३० गुंठे की जमीन पर इस भवन का भव्य निर्माण किया जाएगा। इसके निर्माण पर कुल १ करोड़ ७५ लाख रुपये का खर्च अनुमानित है। जिसमें १ करोड़ रुपये अनुदान के रूप में और ७५ लाख रुपये शिवसेना सांसद राजन विचारे, विधायक प्रताप सरनाईक, विधान परिषद सदस्य रविंद्र फाटक के स्थानीय विकास निधि से उपलब्ध कराई जाएगी।

मीरा-भायंदर मनपा क्षेत्र मिनी हिंदुस्थान के रूप में जाना जाता है। यहां पर मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, उत्तराखंड आदि राज्यों के हिंदी भाषी बहुतायत में रहते हैं। उनके लिए हिंदी भवन बनाये जाने का वचन शिवसेना ने दिया था। अब इसके निर्माण पर सदन की मुहर भी लग गई है। इस प्रकार से दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में हिंदी भाषियों को हिंदी भवन के रूप में एक उपहार दिया गया है, यह शिवसेना की वचनपूर्ति है। -प्रताप सरनाईक (शिवसेना प्रवक्ता, विधायक)

विक्रम प्रताप सिंह (१४५ मीरा विधानसभा शिवसेना क्षेत्र प्रमुख, नगरसेवक)ने कहा कि पिछले कई दशक से लाखों हिंदी भाषी मीरा-भायंदर में सर्वधर्म समभाव के साथ सौहार्दपूर्ण तरीके से यहां रह रहे हैं। इनके लिए हिंदी भवन का बनाने का स्वप्न शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने देखा था, इसके लिए वे सतत प्रयत्नशील भी थे। अब उनका यह सपना साकार हुआ है।

शिवसेना नगरसेवक, पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजू भोईर ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे कला दालान के ई-भूमिपूजन के अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी मीरा-भायंदर शहर के विकास के लिए निधि कम नहीं पड़ने देने का वचन दिया था, हिंदी समाज व हम सभी इस कार्य के लिए दिल से आभारी हैं।

उमा भारती ने उगला सच.... 'नीतीश की सीढ़ी पर चढ़कर बिहार में बड़ी हुई भाजपा'

भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने बिहार चुनाव को लेकर एक सच उगला है। उन्होंने सच बयां करते हुए कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सीढ़ी पर चढ़कर ही भाजपा बिहार में बड़ी हुई है। हालांकि बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री होना चाहिए, इस सवाल के जवाब पर उमा भारती ने कन्नी काटते हुए कहा कि इसमें मुझे नहीं पड़ना है।

बता दें कि बिहार चुनाव के आए नतीजे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव हुआ और नीतीश का नेतृत्व उन्होंने ही वर्ष २००५ में घोषित किया था, जब वो बिहार की प्रभारी थीं। उन्होंने आगे कहा कि हम छोटे भाई से बड़े भाई की भूमिका में नीतीश की सीढ़ी चढ़कर ही आ पाए हैं इसलिए जिस सीढ़ी को आप चढ़कर आए हैं, उसी को आप गिरा नहीं सकते। एक बार जब आप छोटे भाई से बड़े भाई की भूमिका में आ जाएं और फिर उस सीढ़ी को त्याग दें तो जनता भी माफ नहीं करती है। उन्होंने इस दौरान मध्य प्रदेश उपचुनाव को लेकर भी अपने विचार व्यक्त किए। कमलनाथ की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि कमलनाथ ने उपचुनाव बहुत अच्छा लड़ा। अगर वह इतने अच्छे ढ़ंग से सरकार चलाते तो शायद मामला गड़बड़ न होता। कमलनाथ ने चुनाव बहुत चतुराई से लड़ा है और वे एक अच्छे इंसान भी हैं।

64 साल के कारोबारी पर रेप का केस

मुंबई पुलिस में शनिवार को 40 साल की महिला ने 64 साल के कारोबारी पर रेप और धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है। महिला का आरोप है कि कारोबारी ने घर दिलाने के नाम पर उससे 17 लाख रुपए भी हड़प लिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महिला ने शिकायत में बताया, 'मैं अंधेरी स्थित कपड़े की दुकान पर 8 साल से काम कर रही थी। दुकान मालिक ने मुझे कहा कि उसकी शादी नहीं हुई है। अगर मैं उसके साथ रहूंगी तो वह अपनी संपत्ति मेरे नाम कर देगा। इस पर मैं मान गई।' महिला के मुताबिक, 2018 में वह घर खरीदना चाहती थी। कारोबारी ने वादा किया था कि वह घर खरीदने में उसकी मदद करेगा। उसने गहने बेचकर आरोपी को 17 लाख रुपए दिए। आरोपी इन रुपयों से घर खरीद लिया और उसके पेपर अपने नाम करा लिए। महिला ने जब घर के पेपर अपने नाम पर करने की मांग की तो कारोबारी ने इससे इंकार कर दिया।

रिपब्लिक में थी भाजपा की हिस्सेदारी... इसलिए दबाया गया अन्वय आत्महत्या मामला... कांग्रेस ने खोली फडणवीस सरकार की पोल

भाजपा सांसद राजीव चंद्रशेखर अर्नव गोस्वामी के रिपब्लिक चैनल में भागीदार थे। गोस्वामी भाजपा के लिए काम करते हैं, इसीलिए देवेंद्र फडणवीस सरकार ने नाईक की आत्महत्या के मामले को दबा दिया। यह सनसनीखेज आरोप महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता सचिन सावंत ने लगाया। सचिन सावंत ने कहा कि, भाजपा सांसद राजीव चंद्रशेखर रिपब्लिक चैनल में भागीदार थे। जिसके कारण गोस्वामी का भाजपा से सीधा संबंध है, ऐसा आरोप सचिन सावंत ने लगाया। उन्होंने ट्विटर के जरिए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। फडणवीस सरकार ने नाईक आत्महत्या के मामले को इसलिए दबा दिया था कि सभी आरोपी भाजपा के थे और भाजपा के लिए काम करते हैं। यह स्पष्ट हो गया कि भाजपा महाराष्ट्र से नफरत करने वाली पार्टी है, ऐसा गंभीर आरोप भी सावंत ने लगाया।

दिवाली के पूर्व लखनऊ में जहरीली शराब पीने से तीन लोगों की मौत

दीपावली के एक दिन पूर्व उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में जहरीली शराब पीने से तीन लोगों की मौत हो गई है। हाईअलर्ट पर चल रहे राजधानी के बंथरा इलाके में जहरीली शराब पीने से 3 लोगों की मौत हो गई है। त्योहार के दिन एक ही गांव में 3 मौतों से हड़कंप मच गया है। लोगों का कहना है कि आबकारी विभाग की लापरवाही से देसी शराब ठेका पर जहरीली शराब बिक रही थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। घटना बंथरा के रसूलपुर लतीफ नगर गांव की है। जहरीली शराब पीने से मोहम्मद अनीस, राजकुमार और एक अन्य की मौत हो गई है। पता चला कि लतीफ नगर के सरकारी ठेके से इन्होंने शराब ली थी। बताया जा रहा है कि इन लोगों ने विंडीज नाम की शराब ली थी और राशन कोटेदार ननकऊ के घर में इसे पिया गया।

कोरोना जांच में न बरतें कोताही!...जनवरी में आ सकती है दूसरी लहर... स्वास्थ्य सेवा निदेशालय का आदेश

यूरोप में कोरोना की दूसरी लहर आ गई है। राज्य में भी जनवरी-फरवरी में दूसरी लहर आने की संभावना स्वास्थ्य सेवा निदेशालय ने जताई है। इस संभावना के साथ ही निदेशालय ने डब्ल्यूएचओ के निर्देशानुसार कोरोना जांच पर जोर देने और कोताही नहीं बरतने का भी आदेश स्वास्थ्य विभाग को दिया है। बता दें कि अक्टूबर महीने के पहले सप्ताह से ही कोरोना मरीजों की संख्या में कमी होती दिखाई दे रही है। लेकिन यूरोपियन देशों में कोरोना महामारी ने फिर से तांडव मचा रखा है। यूरोपियन देशों का उदाहरण देते हुए राज्य के स्वास्थ्य सेवा निदेशालय ने यहां भी जनवरी-फरवरी में दूसरी लहर आने की संभावना जताई है। इस परिप्रेक्ष्य में पिछले सप्ताह स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई थी। निदेशालय की ओर से पिछले दिनों एक सर्क्युलर जारी किया गया। इस सर्क्युलर में दूसरी लहर से निपटने के दिशा-निर्देश दिए गए हैं। सर्क्युलर के अनुसार कोरोना वायरस की जांच में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतने का आदेश दिया गया है। सभी प्रयोगशालाओं भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुरूप काम करने का निर्देश दिया गया है। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए डब्ल्यूएचओ ने प्रत्येक दस लाख लोगों पर १४० जांच करने की बात कही है। डब्ल्यूएचओ के इन निर्देशों का पालन करने का निर्देश स्वास्थ्य सेवा निदेशालय ने विभाग को दिया है। कोरोना मरीजों का प्रमाण अगर ११ से १५ प्रतिशत तक रहा तो और २० प्रतिशत कोरोना अस्पताल कार्यान्वित किया जाएं। किराना दुकानदार, सब्जी विक्रेता, ड्राइवर्स आदि के माध्यम से कोविड का प्रसार ज्यादा होता है इसलिए इन व्यक्तियों का सर्वेक्षण प्राथमिकता से करने का निर्देश भी स्वास्थ्य सेवा निदेशालय ने दिया है।

मनीलॉन्ड्रिंग मामला...लटके चंदा कोचर के पति... ईडी ने खारिज की जमानत याचिका

मुंबई की एक विशेष अदालत ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर के पति और मनीलॉन्ड्रिंग मामले के एक आरोपी दीपक कोचर की जमानत याचिका खारिज कर दी। कोचर ने जमानत अर्जी यह दावा करते हुए दायर की थी कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ निर्धारित अवधि में आरोप पत्र दाखिल करने में असफल रहा, इसलिए वह जमानत के हकदार हैं। दीपक कोचर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईसीआईसीआई बैंक-वीडियोकॉन मनीलॉन्ड्रिंग मामले में धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गत सितंबर में गिरफ्तार किया था। व्यवसायी कोचर ने अपने वकील के माध्यम से गुणदोष के साथ-साथ इस आधार पर भी जमानत याचिका दायर की थी कि अभियोजन पक्ष निर्धारित अवधि के भीतर मामले में आरोपपत्र दायर करने में विफल रहा है। ईडी के वकील हितेन वेनेगावकर ने कहा कि विशेष पीएमएलए न्यायाधीश ने उनकी `डिफ़ॉल्ट' जमानत याचिका खारिज कर दी, जबकि गुणदोष के आधार पर दायर उनकी जमानत अर्जी पर २३ नवंबर को सुनवाई होगी। जांच एजेंसी के समय पर आरोपपत्र दाखिल करने में विफल रहने के कोचर के दावे पर अभियोजन पक्ष ने कहा था कि आरोपपत्र तीन नवंबर को दायर किया गया था, लेकिन यह संबंधित विभाग के पास जांच के लिए लंबित है, क्योंकि पांच बक्से दस्तावेजों से भरे हुए हैं, जिसे सत्यापित करने की आवश्यकता है। इसलिए अभी अदालत द्वारा अभियोजन पक्ष की शिकायत का संज्ञान लिया जाना बाकी है।

हिंदुस्थानी शेरों ने लिया बदला!... चार के बदले आठ पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए

पाकिस्तान की ओर से सीमा पर शुक्रवार को भी गोलीबारी की गई। नॉर्थ कश्मीर में एलओसी से सटे तीन सेक्टरों में पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया। इस गोलाबारी में हिंदुस्थानी सेना के चार जवान शहीद हो गए हैं। शहीद हुए जवानों में एक बीएसएफ का एसआई और दो जवान शामिल हैं, वहीं अंधाधुंध फायरिंग में तीन आम नागरिकों की भी मौत हुई है।

हिंदुस्थानी सेना ने भी जमकर जवाब दिया है। हिंदुस्थानी सेना के सूत्रों के मुताबिक जवाबी कार्रवाई में हिंदुस्थान ने पाकिस्तान के सात से आठ जवान मार गिराए हैं। पाकिस्तान की तरफ से मारे गए जवानों में २-३ एसएसजी कमांडर भी शामिल हैं। हिंदुस्थानी सेना के मुताबिक पाकिस्तान की तरफ से उकसावे की हरकत की शुरुआत की गई। पाकिस्तान ने उरी से लेकर गुरेज तक के क्षेत्रों में सीजफायर का उल्लंघन किया, जिसका मुंहतोड़ जवाब हिंदुस्थानी सेना दे रही है। बताया जा रहा है पाकिस्तान की तरफ से किए गए सीजफायर उल्लंघन में पहले बीएसएफ के एसआई राकेश डोवाल शहीद हुए इसके बाद सेना के दो अन्य जवान भी इस गोलाबारी में मारे गए, वहीं तीन आम नागरिकों के मारे जाने की भी खबर है। एक अन्य नागरिक की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना पर पीपुल्स कांग्रेस के नेता सज्जाद लोन ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि पुंछ, उरी और टंगडार (कुपवाड़ा) में गोलाबारी में निर्दोषों की जान चली गई है। इस घटना की निंदा करने के लिए सिर्फ शब्द ही काफी नहीं हैं।

उम्मीद है कि प्रशासन घायल परिवारों को मदद मुहैया कराएगा। मेरी संवेदना इन इलाके के लोगों के साथ है। पाकिस्तान की ओर से बारामूला जिले के हाजीपीर इलाके में गोलीबारी की गई, इसके अलावा तंगधार सेक्टर और गुरेज सेक्टर में भी पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया। इस दौरान पाकिस्तानी सेना ने गोलीबारी की और मोर्टार दागे।

हिंदुस्थानी सेना ने भी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। पाकिस्तान की फायरिंग में सीमा के पास बसे एक घर को नुकसान पहुंचा है जबकि एक महिला भी घायल हो गई है।

उन्नाव में ट्रेन की चपेट में आने से पत्रकार की मौत

राजधानी से सटे उन्नाव जिले के एबीनगर निवासी एक पत्रकार की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। मां ने आरोप लगाया है कि एक सिपाही के धमकाने पर बेटे ने आत्महत्या की है। एसपी ने इस आरोप की जांच शुरू कराई है। सूरज पांडेय (24) पुत्र सुशील पांडेय एक हिंदी दैनिक में पत्रकार था। गुरुवार सुबह वह घर से निकला था। काफी देर तक न लौटने पर मां लक्ष्मी पांडेय ने उसके मोबाइल पर फोन किया। फोन बंद होने पर खोजबीन शुरू की गई। शाम पांच बजे शराब मिल रेलवे क्रासिंग के पास उसका शव मिला। सदर कोतवाल दिनेश चंद्र मिश्र मौके पर पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। एसपी आनंद कुलकर्णी, एएसपी विनोद कुमार पांडेय व सीओ सिटी गौरव त्रिपाठी भी घटना स्थल पर पहुंचे। एसपी ने दोका सामना को बताया कि पत्रकार की मां ने किसी सिपाही पर बुधवार रात फोन कर धमकी देने का आरोप लगाया है। इस बिंदु पर भी जांच शुरू कर दी गई है। सुशील पांडेय के दोनों मोबाइल घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त हालत में मिले हैं।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।